संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -15 शनिवार ,16 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

## देश की संक्षिप्त खबरें

### नरेश मीणा को हुई 14 दिन की जेल

**टोंक,15 नवम्बर 2024(ए)।** राजस्थान के देवली-उनियारा (टोंक) में एसडीएम थप्पड़कांड को लेकर तनाव का माहौल तीसरे दिन भी बरकरार है। इस विवाद के बाद जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मांगें पूरी करने के लिए प्रस्ताव भेजे जाएंगे, लेकिन आचार संहिता समाप्त होने के बाद ही इन पर कार्रवाई संभव होगी।

विवाद में आरोपी नरेश मीणा को निवाई कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का आदेश दिया।

### फंसा राहुल गांधी का हेलिकॉप्टर,भड़के कांग्रेस कार्यकर्ता

**रांची,15 नवम्बर 2024(ए)।** कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का हेलिकॉप्टर झारखंड के गोड्डा में फंस गया है. एटीसी से क्लीयरेंस न मिलने के कारण राहुल का हेलिकॉप्टर आधे घंटे से गोड्डा में ही खड़ा है. कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी की सभा के कारण राहुल के हेलिकॉप्टर को क्लीयरेंस नहीं दिया गया है. राहुल का हेलिकॉप्टर गोड्डा के बेलबड्डा में रुका हुआ है. हेलिकॉप्टर को क्लीयरेंस न मिलने पर कांग्रेस विधायक ने बीजेपी पर निशाना साधा है. विधायक ने इसे बीजेपी की गलत नीति बताया है. गोड्डा में खड़े राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर का फुटेज भी सामने आया है. इसमें दिखाई दे रहा है कि राहुल गांधी हेलिकॉप्टर के अंदर बैठे हुए हैं और गोड्डा से रवाना होने का इंतजार कर रहे हैं. हेलीपैड के आसपास राहुल गांधी की सुरक्षा में तैनात कर्मचारी भी खड़े हुए हैं.

### अब छात्र 2 साल में ही कर सकेंगे ग्रेजुएशन

#### डिग्री के बीच भी ले सकेंगे ब्रेक

**नई दिल्ली,15 नवम्बर 2024(ए)।** यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ने छात्रों को सुविधा प्रदान की है। यूजीसी ने ग्रेजुएशन प्रोग्राम को और आसान बना दिया है। जिस कारण छात्र दो या ढ़ाई साल में ग्रेजुएशन कर सकते है।यूजीसी चेयरमैन एम.जगदीश कुमार ने कहा कि कोई भी स्टूडेंट अपने सिलेबस का टाइम ड्यूरेशन अब घटा-बढ़ा सकता है। ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम जो 3 से 4 साल का होता है, उसे स्टूडेंट्स घटाकर दो-ढाई साल का भी कर सकते हैं। इसके साथ ही कमजोर स्टूडेंट्स अपने ग्रेजुएशन प्रोग्राम का समय बढ़ाकर 5 साल तक कर सकते हैं।

### लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के 20 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

**नई दिल्ली,15 नवम्बर 2024(ए)।** देशभर में अपनी लॉटरी कंपनियों के लिए मशहूर सैंटियागो मार्टिन के व्यापार साम्राज्य पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी शुरू कर दी है। लॉटरी घोटाले और अवैध लॉटरी बिक्री के आरोपों के चलते ईडी ने ये कार्रवाई की है। इस छापेमारी में कई स्थानों पर एक साथ तलाशी ली जा रही है, जिनमें चेन्नई, कोयंबटूर, फरीदाबाद, लुधियाना, कोलकाता सहित कुल 20 जगहों पर ईडी की टीमें सक्रिय हैं।

# मातृत्व अवकाश मामले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

- मातृत्व अवकाश मामले पर सुप्रीमकोर्ट ने केंद्र से मांगा जबाब...
- 3 महीने से ज्यादा उम्र का बच्चा गोद लेने पर लीव नहीं मिलती, ये असंवैधानिक...

**नई दिल्ली,15 नवम्बर 2024(ए)।** सुप्रीम कोर्ट ने 12 नवंबर को केंद्र सरकार की मैटरनिटी लीव पॉलिसी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने केंद्र सरकारी की मैटरनिटी बेनिफिट अमेंडमेंट एक्ट के सेक्शन 5(4), 2017 की कॉन्स्टिट्यूशनल वैलिडिटी को चुनौती दी है।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि 3 महीने से ज्यादा उम्र के बच्चों को गोद लेने पर मैटरनिटी लीव नहीं मिलती है। ऐसे में बच्चा गोद लेने वाली माताओं को दी गई कथित 12 सप्ताह की मैटरनिटी लीव सिर्फ एक दिखावा है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस पंकज मिठल की बेंच ने इस संबंध में केंद्र सरकार से 3 हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करने का कहा है। साथ ही जवाब की कॉपी पहले याचिकाकर्ता को देने के निर्देश दिए हैं।

अभी नियम ये है कि 3 महीने से कम उम्र के बच्चों को गोद लेने वाली या सरोगेट माताओं को 12 हफ्तों की छुट्टी मिलेगी। लेकिन 3 महीने से ज्यादा के बच्चों को गोद लेने पर मैटरनिटी लीव का कोई प्रावधान नहीं है।

#### सुप्रीमकोर्ट ने केंद्र से 3 सप्ताह के अंदर मांगा जवाब

जस्टिस पारदीवाला ने कहा- याचिका में कहा गया है कि केंद्र ने 3 महीने की उम्र को सही ठहराते हुए अपना जवाब दाखिल किया है, लेकिन सुनवाई के दौरान कई मुद्दे सामने आए हैं जिन पर विचार करने की जरूरत है। ये क्या तर्क है कि बच्चा 3 महीने या उससे कम का होना चाहिए? मैटरनिटी लीव देने का मकसद क्या है? इसको लेकर केंद्र से 3 सप्ताह के अंदर जवाब पेश करे।

### याचिका में ये बातें भी कही गईं

- धारा 5(4) बच्चा गोद लेने वाली माताओं के साथ भेदभावपूर्ण और मनमानी के जैसी है। साथ ही 3 महीने और उससे ज्यादा उम्र के वो बच्चे जो अनाथ हैं, छोड़े गए हैं या सरेंडर (अनाथालय) किए गए हैं, उनके साथ भी मनमाना व्यवहार करती है। ये मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के मोटिव के साथ पूरी तरह से न्याय नहीं करती है।
- धारा 5(4) बायोलॉजिकल माताओं को दिए जाने वाले 26 सप्ताह की मैटरनिटी लीव की तुलना बच्चा गोद लेने वाली माताओं को मिलने वाली 12 सप्ताह की लीव से करना संविधान के भाग तीन की बुनियादी जांच में भी नहीं टिक पाती है। इसमें मनमानी नजर आती है।

### मैटर्निटी बेनिफिट एक्ट (संशोधित) 2017 की मुख्य बातें...

- यह महिला कर्मचारियों के रोजगार की गारंटी देने के साथ-साथ उन्हें मैटर्निटी बेनिफिट का अधिकारी बनाता है, ताकि वे बच्चे की देखभाल कर सकें।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नवजात को अगले 6 महीने तक मां का दूध अनिवार्य होता है, जिससे शिशु मृत्यु दर में गिरावट हो। इसके लिए महिला कर्मचारी को छुट्टी दी जाती है।
- इस दौरान महिला कर्मचारियों को पूरी सैलरी दी जाती है।
- यह कानून सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं पर लागू होता है, जहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।
- मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत पहले 24 हफ्तों की छुट्टी दी जाती थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 26 हफ्तों में तब्दील कर दिया गया है।
- महिला चाहे तो डिलीवरी के 8 हफ्ते पहले से ही छुट्टी ले सकती है।
- पहले और दूसरे बच्चे के लिए 26 हफ्ते की मैटर्निटी लीव का प्रावधान है।
- तीसरे या उसके बाद के बच्चों के लिए 12 हफ्ते की छुट्टी का प्रावधान है।
- 3 महीने से कम उम्र के बच्चों को गोद लेने वाली या सरोगेट मांओं को भी 12 हफ्तों की छुट्टी दी जाएगी।
- ये छुट्टियां लेने के लिए किसी भी महिला की उसके संस्थान में पिछले 12 महीनों में कम-से-कम 80 दिनों की उपस्थिति होनी चाहिए।
- अगर कोई संस्था या कंपनी इस कानून का पालन नहीं कर रही है, तब कंपनी के मालिक को सजा का प्रावधान भी है।
- इसके अलावा पत्नी और नवजात बच्चे के लिए पिता भी पेड लीव ले सकते हैं। पितृत्व अवकाश 15 दिनों का होता है, जिसका फायदा पुरुष पूरी नौकरी के दौरान दो बार ले सकता है।
- सीढ़ियां चढ़ने या ऐसा कोई काम जो महिला के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो तो महिला ऐसे काम को करने के लिए मना कर सकती है।
- गर्भवती महिला को छुट्टी न देने पर 5000 रुपए का जुर्माना लग सकता है
- अगर किसी भी संस्था द्वारा गर्भावस्था के दौरान महिला को मेडिकल लाभ नहीं दिया जाता है तब 20,000 रुपए का जुर्माना लग सकता है।
- किसी महिला को छुट्टी के दौरान काम से निकाल देने पर 3 महीने की जेल का भी प्रावधान है।

# नाबालिग पत्नी के साथ सहमति से बनाए गए संबंध भी है रेप

- हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

**मुंबई,15 नवम्बर 2024(ए)।** बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि यदि पत्नी की उम्र 18 साल से कम है, तो सहमति से यौन संबंध बनाने के बावजूद भी आरोपी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया जा सकता है। कोर्ट ने इस मामले में दोषी की सजा को बरकरार रखते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के तहत, नाबालिग लड़की के साथ यौन संबंध बलात्कार के बराबर माने जाएंगे, चाहे वह शादीशुदा हो या नहीं।

जस्टिस गोविंद सनप की बेंच ने 12 नवंबर को सुनाए गए अपने आदेश में कहा कि आरोपी का यह तर्क कि यौन संबंध सहमति से बने थे और वह पीड़िता का पति था, मान्य नहीं हो सकता। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि

आरोपी ने उसके साथ जबरन यौन संबंध बनाए और शादी का झूठा वादा किया। 9 सितंबर 2021 को वर्धा जिले के ट्रायल कोर्ट ने युवक को पॉस्को एक्ट के तहत दोषी पाया था। अब उसने हाईकोर्ट में आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी। अपीलकर्ता को नाबालिग लड़की की शिकायत के बाद 25 मई 2019 को गिरफ्तार किया गया था। खास बात है कि उस समय लड़की 31 सप्ताह की गर्भवती थी। पीड़िता का कहना था कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था और अपीलकर्ता ने उसके साथ जबरन यौन संबंध बनाए और शादी का झूठा वादा कर इसे जारी रखा।

गर्भवती होने के बाद पीड़िता ने अपीलकर्ता से शादी करने के लिए कहा था। इसके बाद उसने एक घर किराए पर लिया और पड़ोसियों की मौजूदगी में हर पहनाए और भरोसा दिलाया कि वह उसकी पत्नी है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बाद उसने शिकायतकर्ता से अबॉर्शन कराने के लिए जोर डाला। हालांकि, पीड़िता ने इससे इनकार कर दिया था और मारपीट के आरोप लगाए। जब आरोपी ने पीड़िता को उसके माता-पिता के घर पर पीट, तब उसे एहसास हुआ कि अपीलकर्ता ने शादी का दिखावा किया है और उसका शोषण किया है।ट्रायल कोर्ट में क्रॉस एग्जामिनेशन में पीड़िता ने स्वीकार किया है कि उसने बाल कल्याण समिति में शिकायत की है। साथ ही तस्वीरों के हवाले से अधिकारियों को बताया था कि वह उसका पति है। अब इसके आधार पर अपीलकर्ता ने कहा था कि यौन संबंध सहमति से बने थे। बेंच ने कहा, 'मेरे विचार में इस दलील को स्वीकार नहीं करने के एक से ज्यादा कारण हैं। इस मामले में अभियोजन पक्ष ने साबित कर दिया है कि अपराध के समय पीड़िता की उम्र 18 साल से कम थी।' कोर्ट ने अपील को खारिज कर दिया।

### भारत ने पिनाका रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का किया सफल परीक्षण

**नई दिल्ली,15 नवम्बर 2024(ए)।** भारत ने पिनाका हथियार प्रणाली के उड़ान परीक्षण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन परीक्षणों के दौरान राकेटों के व्यापक परीक्षण के माध्यम से 'प्रोविजनल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट यानी पीएसक्यूआर के मापदंडों, जैसे कि रेंजिंग, सटीकता, स्थिरता और सैल्वो मोड (सैल्वो तोपखाने या आग्नेयास्त्रों का एक साथ इस्तेमाल है, इसमें लक्ष्य को भेदने के लिए तोपों से गोलीबारी शामिल है) में कई लक्ष्यों पर निशाना साधने की दर का आकलन किया गया है।

### डोमिनिका ने पीएम मोदी को दिया देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान

**डोमिनिका,15 नवम्बर 2024(ए)।** एक छोटा कैरिबियाई द्वीप देश ने घोषणा की है कि वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित करेगा. यह घोषणा आगामी इंडिया-कैरिकॉम समिट के दौरान की जाएगी. प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान कोविड-19 महामारी के दौरान उनके वैश्विक योगदान और कैरिबियाई देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों के लिए दिया जा रहा है.

#### क्यों खास है यह सम्मान?

डोमिनिका का यह सर्वोच्च सम्मान केवल उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने वैश्विक स्तर पर विशेष योगदान दिया हो. पीएम मोदी के लिए यह सम्मान इस बात का प्रतीक है कि भारत अब केवल एशिया या अपने पड़ोसी देशों तक सीमित नहीं है,बल्कि दुनिया के अन्य छोटे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है.

#### कोविड-19 महामारी में मोदी का योगदान

कोविड-19 महामारी के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैक्सीन मैत्री अभियान के तहत डोमिनिका और अन्य कैरिबियाई देशों को भारत में बनी वैक्सीन की खेप भेजी थी. भारत की इस उदारता को पूरी दुनिया ने सराहा. इससे भारत की वैश्विक छवि एक जिम्मेदार और भरोसेमंद साथी के रूप में उभरी, जिसने जरूरत के समय कई देशों की मदद की.

### आश्रय गृह में विषाक्त भोजन खाने से तीन लोगों की मौत

**पटना,15 नवम्बर 2024(ए)।** पटना में एक सरकारी आश्रय गृह में संदिग्ध भोजन विषाक्तता के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य बीमार हो गए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।जिला मजिस्ट्रेट चंद्रशेखर सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यह घटना शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के पटेल नगर स्थित दिव्यांग महिला आश्रय गृह, आशा गृह में हुई।उन्होंने बताया कि सात नवंबर को नाश्ता करने के बाद वे बीमार पड़ गए। उन्होंने बताया कि 24 वर्षीय महिला की मौत सात नवंबर को ही पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हो गई थी, जबकि नौ वर्षीय लड़की की मौत 10 नवंबर को हो गई थी और 12 वर्षीय लड़की की मौत बुधवार शाम को हो गई थी।

### श्रद्धा हत्याकांड का आरोपी आफताब लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर

#### हाई अलर्ट पर तिहाड़ जेल

**नई दिल्ली,15 नवम्बर 2024(ए)।** श्रद्धा वॉल्कर हत्याकांड के आरोपी आफताब पूनावाला की जान को खतरा बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई गैंग आफताब को निशाना बना सकता है। इस खबर के बाद तिहाड़ जेल प्रशासन हाई अलर्ट पर है। तिहाड़ जेल में बंद आफताब को जेल नंबर 4 में रखा गया है। मुंबई पुलिस से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर जेल प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है।

बता दें, मई 2022 में आफताब ने दिल्ली के छतरपुर इलाके में श्रद्धा की हत्या कर दी थी और उसके शव को 35 टुकड़ों में काटकर अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया था। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का गैंग कई हत्याओं और अपराधों के लिए जाना जाता है। सूत्रों का कहना है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग आफताब को मारने की योजना बना रहा है। इस खबर के बाद तिहाड़ जेल प्रशासन ने आफताब की सुरक्षा बढ़ा दी है।श्रद्धा और आफताब की मुलाकात

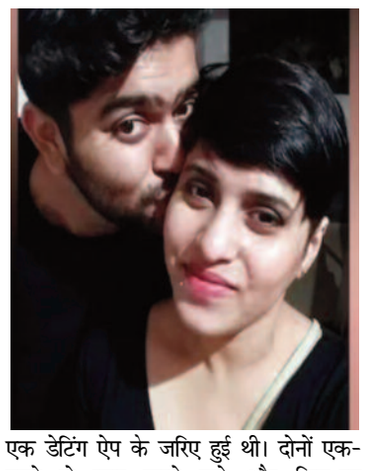

एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे और लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। हालांकि, श्रद्धा के परिवार वाले इस रिश्ते के खिलाफ थे। जब श्रद्धा लंबे समय से घर नहीं लौटी तो उसके पिता ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस की जांच में आफताब पर शक हुआ और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

# अंधविश्वास का घिनौना चेहराःमां ने दी अपनी ही बेटी की बलि

#### सीना चीरकर निकाला दिल, फिर वहीं दफन कर दी लाश

**पलामू ,15 नवम्बर 2024(ए)।** झारखंड के पलामू जिले से एक बेहद ही दर्दनाक और हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक मां ने अंधविश्वास के चक्कर में अपनी डेढ़ साल की मासूम बेटी की बलि दे दी। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। घटना पलामू के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के खरारपर गांव की है। आरोपी मां का नाम गीता देवी है और मृतक बच्ची का नाम परी कुमारी है। पुलिस के अनुसार, गीता देवी ने सिद्धि प्राप्त करने के लिए अपनी बेटी का सीना चीरकर दिल निकाला और फिर तंत्र पूजा की। इसके बाद उसने बच्ची की लाश को वहीं दफन कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह आर्थिक तंगी से परेशान थी

और किसी ने उसे बताया था कि तंत्र-मंत्र के जरिए वह अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकती है। इसी अंधविश्वास के चक्कर में उसने यह जघन्य अपराध किया। आरोपी महिला का पति अरुण राम दिल्ली में नौकरी करता है। उसे भी इस घटना की सूचना दे दी गई है। महिला की सास कौशल्या देवी ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।इस घटना ने पूरे गांव में सनसनी फैला दी है। स्थानीय लोग इस घटना से बेहद आक्रोशित हैं और आरोपी महिला को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। यह घटना एक बार फिर अंधविश्वास के खतरों को उजागर करती है। अंधविश्वास के नाम पर कई बार लोग ऐसे जघन्य अपराध कर बैठते हैं, जिसका खामियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ता है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना एक बार फिर हमें सचेत करती है कि हमें अंधविश्वास से दूर रहना चाहिए और तार्किक सोच अपनानी चाहिए।

# संपादकीय

## टीबी के शिकार होते लोग

टीबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं।परिस्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन नतीजा उलटा हो रहा है। यह कहानी कभी घातक बीमारी रह चुके ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की- ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024- के मुताबिक 2023 में 82 लाख लोग टीबी से संक्रमित हुए, जो 1995 में निगरानी शुरू होने के बाद की सबसे बड़ी संख्या है। यह आंकड़ा 2022 में सामने आए 75 लाख नए मामलों से काफी अधिक है। इनके अलावा बड़ी संख्या की ऐसे लोगों के मौजूद होने का अनुमान है, जिनमें इस रोग का निदान नहीं हो पाया। अब डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रियासुस की इस टिप्पणी पर गौर कीजिए- चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं।डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट जिक्र किया है कि दवा-प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर/आरआर-टीबी) के मामलों में भी सुधार हुआ है। टीबी के सामान्य मामलों में इलाज की सफलता दर 88 फीसदी है, जबकि एमडीआर/आरआर-टीबी के मामलों में यह 68 फीसदी तक पहुंच गई है। फिर भी टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। टीबी की वापसी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत प्रमुख है। भारत सहित मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में यह स्थिति स्वास्थ्य के निरोधक (प्रीवेंटिव) पहलू पर जोर घटने के कारण पैदा हुई है। हर सेवा के निजीकरण के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं रह गया है।डब्लूएचओ के मुताबिक लगभग 50 फीसदी मरीजों को इलाज के दौरान विनाशकारी खर्च का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि उनका इलाज खर्च उनकी आय का 20 फीसदी से ज्यादा होता है। स्वाभाविक है कि रिपोर्ट में टीबी संबंधी सेवाओं के लिए फंडिंग की कमी का खास उल्लेख किया गया है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में कहा गया था कि 2027 तक टीबी सेवाओं के लिए हर साल 22 बिलियन डॉलर जुटाए जाने चाहिए। 2023 में केवल 5.7 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध थी- यानी कुल जरूरत का सिर्फ 26 फीसदी। ऐसे में टीबी की वापसी कोई हैरत की बात नहीं है।

# भारत के गाँवों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा लागू करने में बाधाएँ

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

***ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवा एक निरंतर संघर्ष है...लाखों लोग चिकित्सा देखभाल तक सीमित पहुँच के साथ रहते हैं,न केवल स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की अनुपस्थिति का सामना करते हैं, बल्कि पुराने बुनियादी ढांचे के बोझ का भी सामना करते हैं...ये केवल चुनौतियाँ नहीं हैं...ये देरी से होने वाले उपचार और रोकथाम योग्य बीमारियों के पीछे के कारण हैं जो जीवन पर भारी पड़ रहे हैं।***

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा किसी भी स्वास्थ्य प्रणाली की नींव होती है, खासकर ग्रामीण भारत में, जहाँ 65 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी रहती है। फिर भी, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ देने में लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

### अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा

ज़्यादातर ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में बिजली, स्वच्छ पानी और उपकरण जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2021 के अनुसार, 8त्न से ज़्यादा स्वास्थ्य सेवा केंद्र बिना बिजली के काम करते हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में डॉक्टरों और नर्सों सहित प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की भारी कमी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 2022 के अनुसार भारत में स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में डॉक्टरों की 23त्न कमी है। लंबी दूरी और खराब परिवहन नेटवर्क के कारण दूरदराज के इलाकों में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिससे मरीजों की स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच प्रभावित होती है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी क्षेत्रों के 40त्न से ज़्यादा गाँवों में नज़दीकी स्वास्थ्य सेवा केंद्र तक पहुँच नहीं है। कम साक्षरता स्तर और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता की कमी के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं का कम उपयोग होता है। बिहार जैसे राज्यों में कम जागरूकता के कारण टीकाकरण दर कम बनी हुई है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1.3 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवा पर ख़र्च करता है (आर्थिक सर्वेक्षण 2023), जो ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपर्याप्त है।

पीएचसी में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, बिजली, स्वच्छ पानी और आवश्यक उपकरण सुनिश्चित

करने में निवेश करें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत करने के लिए अतिरिक्त धन आवंटित कर सकता है। डॉक्टरों और नर्सों के लिए उच्च वेतन, आवास और ग्रामीण भत्ते जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से भर्ती और प्रतिधारण को बढ़ाएँ। तमिलनाडु जैसे राज्य ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने के लिए डॉक्टरों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रामीण सेवा लाभ प्रदान करते हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए टेलीमेडिसिन और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों के उपयोग का विस्तार करें। ग्रामीण भारत में टेलीकंसल्टेशन प्रदान करने के लिए ई-संजीवनी का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है। मातृ और बाल स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में समुदाय-आधारित जागरूकता कार्यक्रम चलाएँ। ग्रामीण इलाकों में मातृ देखभाल को बढ़ावा देने में आशा कार्यकर्ता प्रभावी रही हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 द्वारा अनुशंसित सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को सकल घरेलू उत्पाद के कम से कम 2.5त्न तक बढ़ाएँ। थाईलैंड जैसे देशों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य में निरंतर निवेश के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार किया है।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा में चुनौतियाँ सिर्फ़ मरीज़ों तक सीमित नहीं हैं; वे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के कंधों पर भी भारी बोझ डालती हैं। डॉक्टरों के सामने आने वाली कठोर वास्तविकता हैं-हिंसा, अपर्याप्त आवास और ढहते बुनियादी ढाँचे। ये कारक यहाँ सरकारी अस्पतालों में काम करने के लिए कई लोगों को रोकते हैं। विशेषज्ञों को लाने के प्रयासों के बावजूद, ऐसे पेशेवरों की कमी का मतलब अक्सर यह होता है कि मरीजों को इलाज़ के लिए ज़िला अस्पतालों में भेजा जाना चाहिए। कोविड-19 महामारी हमारी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एक चेतावनी थी, फिर भी इस क्षेत्र में कोई अतिरिक्त निवेश नहीं हुआ है। सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में, ग्रामीण भारत के लोग, विशेष रूप से पहाड़ों, जंगलों और रेगिस्तानों में रहने वाले लोग, बीमारी का सामना करने पर खुद का खयाल रखना जारी रखते हैं-अक्सर बीमारी के गंभीर होने तक देखभाल में देरी करते हैं, बिल्कुल भी देखभाल नहीं करते हैं या अनौपचारिक, खराब गुणवत्ता वाले प्रदाताओं से देखभाल लेते हैं। जब वे स्वास्थ्य सेवा लेने में सक्षम होते हैं, तब भी उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, उन्हें खराब गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा मिलती है और अक्सर इस प्रक्रिया में वे कर्ज़ में डूब जाते हैं।

ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच बढ़ाने के लिए एक महत्त्वपूर्ण उपकरण, टेलीमेडिसिन, अभी भी महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। विशेषज्ञों की उपलब्धता को सरेखित करना, यह सुनिश्चित करना कि रोगियों को इंटरनेट और बिजली जैसे आवश्यक बुनियादी ढाँचे तक पहुँच हो और विशेषज्ञों द्वारा अक्सर सामना की जाने वाली भारी नैदानिक ज़िम्मेदारियों का प्रबंधन करना, ये सभी बाधाएँ हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता है। एआई टेलीमेडिसिन परामर्शों को अनुकूलित करके, उपलब्धता के आधार पर मामलों को सही केंद्रों तक पहुँचाकर और एक जिला-व्यापी, एआई-सक्षम, हब-एंड-स्पोक मॉडल का समर्थन करके इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर सकता है जो नियुक्ति संतुष्टि दरों में सुधार कर सकता। इसके अलावा, एआई की क्षमता ऑडिटिंग और धोखाधड़ी नियंत्रण तंत्र में सुधार तक फैली हुई है, जो आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) जैसे कार्यक्रमों में संसाधन रिसाव को रोकने के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करके कि संसाधनों का प्रभावी और नैतिक रूप से उपयोग किया जाता है, एआई ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणालियों की समग्र अखंडता को मज़बूत करने में मदद कर सकता है। ग्रामीण भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को मज़बूत करना सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने और ग्रामीण स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए आवश्यक है। केंद्रित बुनियादी ढांचे का विकास, कार्यबल प्रोत्साहन और डिजिटल नवाचार मौजूदा अंतराल को पाट सकते हैं, जिससे सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित हो सकती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता सोशल मीडिया

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

**हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि सरकार 16 साल से कम उम्र के लोगों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाएगी। वास्तव में पूरी दुनिया में किशोरों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया पर आयु प्रतिबंध लगाने के संभावित लाभ और नुकसान,साथ ही संभावित अनपेक्षित परिणामों पर विचार करना होगा। क्या ऐसे प्रतिबंध मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करने, हानिकारक सामग्री के संपर्क को कम करने और विकासशील दिमागों की रक्षा करने में मदद कर सकते हैं...**

किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रभाव ने वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंताएँ पैदा की हैं, इस बात पर बहस चल रही है कि क्या आयु प्रतिबंध इसके संभावित नुकसानों को प्रभावी ढंग से दूर कर सकते हैं या अनपेक्षित परिणामों को जन्म दे सकते हैं। साथियों के साथ बातचीत और समुदाय निर्माण की सुविधा देता है, सामाजिक कौशल विकास में सहायता करता है। प्यू रिसर्च (2023) ने पाया कि 71 प्रतिशत किशोर सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। युवाओं को पहचान तलाशने और खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सोशल मीडिया इंटरनेट साइट्स और ऐप्स के लिए एक शब्द है जिसका उपयोग आप अपने द्वारा बनाई गई सामग्री को साझा करने के लिए कर सकते हैं। सोशल मीडिया आपको दूसरों द्वारा पोस्ट की गई सामग्री पर प्रतिक्रिया देने की सुविधा भी देता है। इसमें दूसरों द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरें, टेक्स्ट, प्रतिक्रियाएँ या टिप्पणियाँ और जानकारी के लिंक शामिल हो सकते हैं। सोशल मीडिया साइट्स के भीतर ऑनलाइन शेयरिंग कई लोगों को दोस्तों के संपर्क में रहने या नए लोगों से जुड़ने में मदद करती है और यह अन्य आयु समूहों की तुलना में किशोरों के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण हो सकता है। दोस्ती किशोरों को समर्थित महसूस करने में मदद करती है और उनकी पहचान बनाने में भूमिका निभाती है। इसलिए, यह सोचना स्वाभाविक है कि सोशल मीडिया का उपयोग किशोरों को कैसे प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया बहुत से किशोरों के दैनिक जीवन का

एक बड़ा हिस्सा है। कितना बड़ा- 13 से 17 साल के बच्चों पर 2024 में किए गए एक सर्वेक्षण से इसका सुराग मिलता है। लगभग 1, 300 प्रतिक्रियाओं के आधार पर, सर्वेक्षण में पाया गया कि 35 प्रतिशत किशोर दिन में कई बार से ज़्यादा पाँच सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म में से कम से कम एक का इस्तेमाल करते हैं। पाँच सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म हैं:- यूट्यूब, टिकटोक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट। सोशल मीडिया सभी किशोरों को एक जैसा प्रभावित नहीं करता है। सोशल मीडिया का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य पर स्वस्थ और अस्वस्थ प्रभावों से जुड़ा हुआ है। ये प्रभाव एक किशोर से दूसरे किशोर में अलग-अलग होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रभाव चीज़ों पर निर्भर करता है।

यूनिसेफ की रिपोर्ट (2022) से पता चलता है कि सोशल मीडिया 62त्न किशोरों में आत्म-पहचान को बढ़ावा देता है। विशाल शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच सक्षम करता है, डिजिटल साक्षरता और कौशल को बढ़ाता है। लिंक्डइन और फ़ेसबुक युवाओं के लिए डिजिटल कौशल पर कार्यशालाएँ प्रदान करते हैं। हाशिए के समूहों के लिए समर्थन और समझ पाने के लिए सुरक्षित स्थान बनाता है डब्ल्यूएचओ (2022) ने सीमित सोशल मीडिया एक्सपोजर वाले युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों में 20 प्रतिशत की कमी की रिपोर्ट की है। अनुचित या खतरनाक सामग्री के संपर्क को सीमित करता है, जिससे नकारात्मक प्रभावों के जोखिम कम होते हैं। अमेरिकन साइको लॉजिकल एसोसिएशन (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया का उपयोग साइबरबुलिंग के जोखिम को 30 प्रतिशत तक बढ़ाता है। युवा उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने वाले शिकारी व्यवहार और शोषण के जोखिमों को कम करने में मदद करता है। नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन की 2023 की रिपोर्ट में युवाओं से जुड़े ऑनलाइन शोषण के मामलों में 15 प्रतिशत की वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है। अत्यधिक स्क्रीन समय को नियंत्रित करता है, बेहतर स्वास्थ्य और ऑफ़लाइन जुड़ाव का समर्थन करता है। डिजिटल मीडिया पर दक्षिण कोरिया के नियम (2021) नाबालिगों में स्क्रीन की लत को सीमित करते हैं।

आयु सत्यापन प्रणाली जैसे आयु प्रतिबंधों के अनपेक्षित परिणाम अक्सर दरकिनार कर दिए जाते हैं, जिससे प्रतिबंधों को लागू करना मुश्किल हो जाता है। यू.के. के अध्ययन (2022) से पता चलता है कि 30त्न किशोर न्यूनतम प्रयास से आयु जाँच को दरकिनार कर देते हैं। आयु प्रतिबंध डिजिटल शिक्षा को सीमित कर सकते हैं, जिससे युवा जिम्मेदार ऑनलाइन बातचीत के लिए तैयार नहीं हो पाते। पहुँच को प्रतिबंधित करने से किशोर अलग-थलग पड़ सकते हैं, जिससे वे महत्त्वपूर्ण सामाजिक संवादों में शामिल नहीं हो पाते। यूनिसेफ (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया समावेशिता में मदद करता है, खासकर हाशिए पर पड़े समूहों के लिए। प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतिबंध युवाओं को कम विनियमित,संभावित रूप से अधिक हानिकारक साइटों की ओर धकेल सकते हैं। प्रतिबंध वाले देशों में, किशोर कम सुरक्षा नियंत्रण वाले आला प्लेटफ़ॉर्म की ओर मुड़ गए हैं, जिससे जोखिम बढ़ गया है। डिजिटल साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा दें युवाओं को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए स्कूलों में व्यापक डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू करें।

फिनलैंड का मीडिया साक्षरता सप्ताह छात्रों को डिजिटल सुरक्षा और आलोचनात्मक सोच में प्रशिक्षित करता है। माता-पिता को अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग की निगरानी और मार्गदर्शन करने में मदद करने के लिए संसाधन प्रदान करें। 2017 चाइल्ड ऑनलाइन प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क डिजिटल मार्गदर्शन में माता-पिता की भूमिका पर ज़ोर देता है। उम्र सम्बंधी प्रतिबंधों के बजाय हानिकारक सामग्री को प्रतिबंधित करने पर ध्यान केंद्रित करें, जिससे सुरक्षित और संयमित उपयोग की अनुमति मिले। जुआ और हिंसा जैसी सामग्री पर फ्रांस के 2022 के चुनिंदा प्रतिबंध पूर्ण प्रतिबंध के बिना युवाओं की रक्षा करते हैं। जबकि सोशल मीडिया पर उम्र सम्बंधी प्रतिबंध सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं, एक संतुलित दृष्टिकोण जो डिजिटल शिक्षा, माता-पिता की भागीदारी और लक्षित सामग्री विनियमन को जोड़ता है, किशोरों की सुरक्षा के लिए अधिक व्यावहारिक है, जबकि उन्हें जिम्मेदारी से सोशल मीडिया से लाभ उठाने की अनुमति देता है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## कविता
## योगा करके बीमारी भगाना है

घटती-घटना
कृष्ण चौहान
बिलाईगढ़ सारंगढ़ छत्तीसगढ़

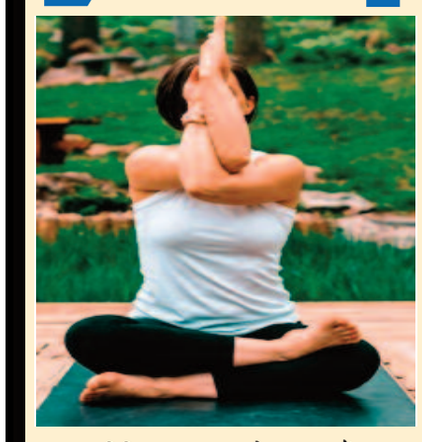

प्रतिदिन सुबह शाम योगा करना हैं,
बीमारियों को दूर भगाना हैं!
योगा से भरपूर ऊर्जा मिलता हैं,
सभी अंग का कसरत होता हैं!
पानी में हमकों तैरना हैं,
सायकल हमकों चलना हैं!
पैदल चलें या दौड़ लगाए,
यह काम हमकों करना हैं!
लाख रुपए की एक दवा हैं,
व्यायाम हमकों करना हैं!
प्रतिदिन हमकों योगा करके,
तन की बीमारी दूर भगाना हैं!
योगा करते समय खाने,
पीने में सावधानी बरतना हैं!
शरीर को स्वस्थ रखना हैं,
प्रतिदिन संतुलित आहार लेना हैं!

## कविता
## शुरूआत आज से ही करना होगा.

घटती-घटना
श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

नहीं आएगा कोई संभालने के लिए
हर ठोकर पर खुद ही संभलना होगा
ख्वाबों को हकीकत बनाने के लिए
शुरूआत आज से ही करना होगा।
चाहे कितना भी कठिन हो सफर
ये सफर खुद ही तय करना होगा
सफल इंसान बनना है तुम्हें अगर
शुरूआत आज से ही करना होगा।
सपने को साकार करना है अगर
मुश्किलों का सामना करना होगा
मंजिल तुम्हें मिल ही जाएगा मगर
शुरूआत आज से ही करना होगा।
राह में चाहे कांटे ही कांटे बिछे हो
उन कांटों को पारकर चलना होगा
जीवन में जो भी परिस्थितिया हो
शुरूआत आज से ही करना होगा।
उम्मीदो के चिराग हाथ में लेकर
मन के अंधेरों को मिटाना होगा
अपने अंदर आत्मविश्वास पैदाकर
शुरूआत आज से ही करना होगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# धार्मिक हिंसा और अराजकता से दिगभ्रमित लोकतांत्रिक आस्थाएं

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता के बाद से भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि स्थान दिया गया हैद्य देश की भौगोलिक तथा जनसंख्यात्मक विशालता में कुछ तत्व सांप्रदायिक हिंसा एवं अराजकता के परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकतें हैं, पर भारतीय लोकतंत्र की महानता एवं विशालता है कि इससे संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, पर यह तय है कि सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र की अवधारणा थोड़ी दिग्भ्रमित जरूर होती है पर इसकी मजबूती ना तो पहले कम हुई है और ना ही भविष्य में होने की कोई गुंजाइश ही है। हिंसा ,विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है।भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर

अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू ,मुस्लिम,सिक्ख,इसाई जातीय संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है। और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

# बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट के पीछे खेत में मिले तीन नर कंकाल,पुलिस जांच में जुटी

- संवाददाता -
बलरामपुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिला मुख्यालय के करीब ग्राम दहेजवार में बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट के पीछे खेत में तीन नर कंकाल मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर तत्काल बलरामपुर कोतवाली पुलिस पहुंची,वहीं जांच के लिए डॉग स्क्वायड एवं फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

बलरामपुर रामानुजगंज जिला मुख्यालय के करीब ग्राम दहेजवार में बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट के पीछे खेत में तीन नर कंकाल मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर तत्काल बलरामपुर कोतवाली पुलिस पहुंची, वहीं जांच के लिए डॉग स्क्वायड एवं फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

जानकारी अनुसार शुक्रवार की सुबह 08 बजे के आसपास लोगों ने ग्राम दहेजवार

में बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट के पीछे नर कंकाल बिखरा पड़ा देखा। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली थाने में दी। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। वहीं डाक स्क्वायड एवं फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया जिसके द्वारा बिखरे नर कंकाल की जांच की जा रही है।

जानकारी अनुसार शुक्रवार की सुबह 08 बजे के आसपास लोगों ने ग्राम दहेजवार में बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट के पीछे नर कंकाल बिखरा पड़ा देखा। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली थाने में दी। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। वहीं डाक स्क्वायड एवं फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया जिसके द्वारा बिखरे नर कंकाल की जांच की जा रही है।

# 555 वां प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन से गूंजता रहा गुरुद्वारा

## लंगर में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रथम सिख गुरु साहिब गुरुनानक देव का 555वां प्रकाश पर्व गुरुद्वारा सिंह सभा स्कूल रोड अम्बिकापुर में धूमधाम से शुक्रवार को मनाया गया। गुरुपर्व के कार्यक्रमों की शुरुआत प्रभात फेरियों से हुई। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में शबद कीर्तन, कथा विचार के कार्यक्रम हुए और अटूट लंगर का आयोजन हुआ। गुरुद्वारा साहिब के रागी जत्थे द्वारा गुरुवाणी शबद कीर्तन किया गया। प्रकाश उत्सव के अवसर पर भव्य आतिशबाजी की गई। गुरुपर्व के कार्यक्रम में सिख समाज के साथ सिन्धी समाज एवं सभी समाज के सदस्य बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। हुजूरी जत्था सुमित सिंह द्वारा कीर्तन समागम कर साध संगत को निहाल किया। इस दौरान गुरु नानक देव की जीवनी उनकी शिक्षाओं और उनकी उदासी यात्राओं पर महेंद्र सिंह टुटेजा, अमनदीप सिंह छाबड़ा, जितेंद्र सिंह सोढ़ी, डा. हर्षप्रीत सिंह धनजल, प्रीतपाल सिंह अरोरा ने अपने विचार रखे। कलेक्टर विलास भोसकर और एसडीएम फागेश सिंह ने भी गुरुद्वारा में आ कर माथा टेका और समस्त नगर वासियों को प्रकाश पर्व की बधाइयां दी।

# जम्मू श्रीनगर में बंधक बने पत्नी को छुड़ाने पति ने एसपी से लगाई गुहार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जम्मू श्रीनगर में बंधक बने पत्नी को छुड़ाने पति ने एसपी से गुहार लगाई है। सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम केरजू निवासी विजय एक्का ने शुक्रवार को एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से वह बताया है कि मेरी पत्नी अजन्ति एक्का 13 अगस्त से लापाता है। वह आरोप लगाया है कि कुछ लोग मेरी पत्नी को बहला फुसलाकर ज्यादा मजदूरी दिलाने का झांसा देकर ले गए हैं और उसे बंधक बना लिया गया है। वह अभी श्रीनगर में बंधक बनी हुई है। मोबाइल से बात करने के दौरान पत्नी ने बंधक होने की जानकारी पति को दी है। मामले में एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि महिला 13 अगस्त से लापाता है। वह कांसाबेल कह कर जाने निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी है। मामले में सीतापुर थाने में गुम इंसान कायम है। उसकी पता तलाश की जा रही है।

# डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार की हुई मौत जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
लखनपुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंवरपुर नहर मार्ग में 14 नवम्बर दिन गुरुवार की शाम 6 बजे डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई सूचना पर लखनपुर पुलिस घटनास्थल पहुंच मौका-मुआयना करते हुए मृतक के शव को कब्जे में लेकर एम्बुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरचुरी में शव को रखवा दिया गया। इधर पुलिस मृतक के शिनाख्त कर रही थी है। देर रात मृतक की पहचान माधव राम राजवाड़े पिता हरिराम राजवाड़े लगभग उम्र 43 वर्ष ग्राम सिरकोतगा थाना लखनपुर निवासी के रूप में पहचान हुई।मृतक अपने साईन मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 डी व्ही 8825 से ससुराल ग्राम कंचनपुर गया हुआ था।शाम को वह अपने ससुराल से गृह ग्राम सिरकोतगा की ओर लौट रहा था। तभी कुंवरपुर नहर मार्ग में छोटी माईनर के पास बाइक सवार ने बाइक पर से नियंत्रण खो दिया और नहर किनारे बने डिवाइडर से बाइक टकरा गया।

गंभीर चोट के कारण बाइक सवार व्यक्ति की मौत पर मौत हो गई। जानकारी होते ही मृतक के परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर पहुंचे।

लखनपुर पुलिस के द्वारा 15 नवंबर दिन शुक्रवार को शव की पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया हैं ।फिलहाल लखनपुर पुलिस मर्ग कायम कर मामले के जांच में जुटी है। घटना से परिवार जनों में शोक का माहौल व्याप्त है।

# युवती से बलात्कार,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक युवती 13 नवंबर की शाम को काम कर अपने किराए के मकान में जा रही थी। तभी एक युवक ने उसे पकडक़र ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया था। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार एक युवती किराए के मकान में रहकर काम करती

है। वह 13 नवंबर की शाम को काम कर अपने किराए के मकान में जा रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाला युवक बादल कुजूर ने उसे पकडक़र अपने घर के पास ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी बादल कुजूर उम्र 21 वर्ष निवासी मेंड्राकलाखुर्द हाल मुकाम गोरसीडबरा थाना गांधीनगर को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

# बाल दिवस पर कई रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अदाणी विद्या मंदिर ने बाल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जहां छात्रों ने मस्ती के साथ-साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भी भरपूर आनंद लिया। इस अवसर का मुख्य आकर्षण कक्षा 11 वीं और 12 वीं के छात्रों के बीच हुआ रोमांचक फुटबॉल मैच रहा, जिसे स्कूल प्रबंधन समिति के अधिकारियों ने विशेष अतिथि के रूप में देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंसिपल आशीष पांडेय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उनके भीतर सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में सहायक होती हैं। बाल दिवस के अवसर पर स्कूल के शिक्षकों ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की और बच्चों की शिक्षा और विकास को प्राथमिकता देने के उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताओं ने छात्रों की प्रतिभा को उजागर किया। कक्षा 7 वीं और 8वीं के छात्रों के लिए आयोजित म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता ने सभी का ध्यान खींचा, जबकि अन्य खेलों और गतिविधियों ने छात्रों के बीच उत्साह और टीम भावना को बढ़ावा दिया।

# हाथों में रंग-बिरंगे आकर्षक निशानों के साथ निकाली गई शोभायात्रा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

हाथों में रंग-बिरंगे आकर्षक निशान लेकर श्रद्धालुओं ने श्याम का नाम लेते हुए शुक्रवार को निशान यात्रा निकाली। शहर के प्रमुख चौक-चौराहे से गुजरते हुए श्याम बाबा के दर पर पहुंचे और उन्हें निशानअर्पित करते हुए सच्चे मन से मनौती मांगते हुए श्याम बाबा की आराधना की।

खाटूवाले श्याम बाबा मंदिर का 28 वां वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्याम सेवा मंडल द्वारा 5 दिनों तक विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। शुक्रवार को राम मंदिर से नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा राम मंदिर

**» धूमधाम से मनाया गया खाटूवाले श्याम बाबा मंदिर का 28 वां वार्षिक महोत्सव**

से निकलकर जय स्तंभ चौक, महामाया चौक, संगम चौक, देवीगंज रोड, घड़ी चौक, गांधी चौक होते हुए पीजी कॉलेज के सामने स्थित श्यामबाबा के मंदिर में पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा के दौरान खाटूवाले श्याम बाबा की आकर्षक झांकी निकाली गई। इस दौरान श्याम बाबा की शीश दान वाली झांकी को भी पुष्प से सजाया गया था। शोभायात्रा में काफी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए। रात को श्याम मंदिर में संकीर्तन व जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। शोभायात्रा के दौरान आकर्षक झांकियां भी निकाली गई थी। राध-कृष्ण क्रेन पर बनाए झूले पर झुल रहे थे। उनके आगे गोपियां नाच रहीं थीं। इसके अलावा अन्य झांकियां निकाली गई थी जो आकर्षण का केन्द्र था। शोभायात्रा का लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। श्याम सेवा मंडल द्वारा पीजी कॉलेज के सामने स्थित श्याम मंदिर में शोभायात्रा के बाद शाम को खाटूवाले श्याम बाबा का फूलों से अलौकिक श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर महाआरती भी की गई। इसके बाद श्याम बाबा को 56 भोग व सवामणि भोग व अमृतमय महाप्रसाद का भोग अर्पित किया गया।

# मां विन्ध्वासिनी मंदिर समिति द्वारा आयोजित हुआ भंडारा

- संवाददाता -
प्रतापपुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आज मां विन्ध्वासिनी मंदिर समिति, करंज वार द्वारा सामूहिक भंडारे का आयोजन किया गया, तथा सायला नृत्य के साथ में भारी संख्या में क्षेत्रवासी ग्रामीणों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दिए, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन मंदिर परिसर में भव्य रूप से हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने आस्था और श्रद्धा के साथ भगवान मां विन्ध्वासिनी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष कन्हैया लाल साहू ने बताया कि अब इस मंदिर में हर माह दो बार सामूहिक भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह निर्णय मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है।

उन्होंने कहा, ÷हमारा प्रयास है कि हर किसी को भगवान के भंडारे का हिस्सा बनने का अवसर मिले। जो भी श्रद्धालु इस भंडारे में भाग लेना चाहते हैं, वे मंदिर समिति से संपर्क कर सकते हैं और आयोजन में शामिल हो सकते हैं।

कन्हैया लाल साहू ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अपने परिवार और मित्रों के साथ इस पुण्य कार्य का हिस्सा बनें। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने प्रसाद का सेवन किया और मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की, जिससे पूरे वातावरण में एक दिव्य अनुभूति का माहौल बना रहा। मंदिर समिति से सोमरू दास मानिकपुरी, विक्रम सिंह सरपंच, शिवकुमार मानिकपुरी, रामकुमार पटेल,मोती लाल कुशवाहा, राजेंद्र गुप्ता, प्रमेश किशोर पैकरा, बैजनाथ, सत जीवन दास सक्रिय रहे।

# 35 हाथियों का दल पहुंचा करसुखाड़ चांची जंगल, मौके पर पहुंचे एसडीओ और रेंजर

- 43 हाथियों का दल दो गुट में अलग-अलग विचरण कर रहा है
- एसडीओ और रेंजर ने जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की समझाइश दी

- संवाददाता -
बलरामपुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

।बलरामपुर जिले के राजपुर वन परिक्षेत्र के चाची सर्किल के करसुखाड़ जंगल में 35 हाथियों का दल गुरुवार की रात्र से विचरण कर रहा है वही आठ हाथियों का दल एक सप्ताह से मरकाडांड़ जंगल में विचरण कर रहा है। मौके पर एसडीओ और रेंजर वन कर्मियों के साथ पहुंचकर जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की समझाइश दी।

सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र से 35 हाथियों का दल बीती दरम्यानी रात्रि चाची सर्किल के करसुखाड़ जंगल में पहुंचकर विचरण कर रहा है। वन विभाग ने इसकी सूचना तत्काल डीएफओ अशोक कुमार तिवारी को दी। सूचना उपरांत मौके पर फॉरेस्ट एसडीओ आरएसएल श्रीवास्तव, रेंजर महाजन लाल साहू वन कर्मियों के साथ पहुंचकर आसपास के गांव में जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की समझाइश दी।

वही आठ हाथियों का दल एक सप्ताह से पहुंचकर मरकाडांड़ जंगल में विचरण कर रहा है। वन विभाग के द्वारा ग्रामीणों को पंपलेट प्रदान कर गांव-गांव में हाथी मित्र दल वाहन से लाउडस्पीकर से अनाउंस कराया जा रहा है। वर्तमान में 35 हाथियों का दल चंकगी सर्किल के करसुखाड़ जंगल कक्ष क्रमांक (RF) 2729 में विचरण कर रहा है वही आठ हाथियों का दल मरकाडांड़ जंगल में विचरण कर रहा है। मौके पर एसडीओ आरएसएल श्रीवास्तव, रेंजर महाजन लाल साहू, डिप्टी रेंजर अशोक शुक्ला, अमृत प्रताप सिंह, परमिट कुमार, राजेश लकड़ा, धीरेंद्र सिंह, अजय एक्का, शांति प्रकाश लकड़ा, विक्रम सिंह आदि उपस्थित है।

आठ हाथियों का दल पहुंचा करवा जंगल, मौके पर पहुंचे रेंजरजेंजर ने जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की दीं समझाइश

# राष्ट्रपति जेलेंस्की बोले-रूसी सेना जापोरीजिया, डोनेट्स्क-खार्किव में कर रही हमले,सहमे लोग

**कीव, 15 नवम्बर 2024।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, रूस की सेना यूक्रेन के जापोरीजिया, डोनेट्स्क, खार्किव क्षेत्रों पर हमले जारी रखे हुए है। उन्होंने यूक्रेन पर की गई गोलाबारी की निंदा की। उन्होंने कहा कि रूसी सेना की कार्रवाई के परिणामस्वरूप शांतिपूर्ण शहरों और समुदायों में रहने वाले लोग आतंकित हो गए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि पिछले 24 घंटों में, रूसी सेना ने तोप, ड्रोन और निर्देशित हवाई बमों का इस्तेमाल किया गया।

**रूसी सेना ने यूक्रेन के इन इलाकों पर हमला किया**

जेलेंस्की ने एक्स हैंडल पर लिखा, रूस ने यूक्रेन पर गोलाबारी करना बंद नहीं किया

है। ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई निप्रॉपेट्रोस, मायकोलाइव, लुहान्स्क, खेरसॉन, सुमी और चेर्निहाइव क्षेत्रों को निशाना बनाया गया है। हमले के कारण आवासीय इमारतों, एक हीटिंग मेन, एक शैक्षणिक संस्थान, एक चर्च और बंदरगाह क्षेत्र को काफी नुकसान पहुंचा है।

जेलेंस्की ने कहा कि गुरुवार रात ओडेसा को मिसाइलों और ड्रोन से मिलकर एक बड़े पैमाने पर हमला झेलना पड़ा। आवासीय इमारतों के अलावा, एक हीटिंग मेन, एक शैक्षणिक संस्थान और एक चर्च क्षतिग्रस्त हो गए। बंदरगाह क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है। एक व्यक्ति की मौत हो गई, और दो बच्चों सहित दस अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि सभी जरूरतमंद लोगों की मदद की जा रही है।

# राशन कार्ड केवाईसी अपडेट, 31 अक्टूबर थी आखिरी डेट लेकिन अब भी करा सकते हैं अपडेट

- छत्तीसगढ़ में जिन लोगों ने राशनकार्ड केवाईसी अपडेट नहीं कराया है उनके लिए राशन कार्ड में केवाईसी अपडेट करवाना जरूरी...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा राशन कार्ड में केवाईसी अपडेशन यानी आपका परिचय और पते का प्रमाण दोबारा अपडेट कराना. पूरे प्रदेश में यह काम चल रहा था, बताया गया कि जिनका केवाईसी अपडेट नहीं होगा उनका राशन कार्ड निरस्त हो सकता है। लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है. शासन ने 31 अक्टूबर तक की तारीख केवाईसी अपडेशन के लिए तय की थी और अब वो समय खत्म हो चुका है. लेकिन अच्छी खबर ये है कि जिन लोगों ने केवाईसी अपडेट नहीं कराया है वो अब भी करा सकते है क्योंकि पोर्टल में अपडेशन बंद नहीं किया गया है।

पोर्टल से करा सकते हैं राशन कार्ड केवाईसी अपडेट सरगुजा जिले में 2 लाख 87 हजार राशन

कार्ड धारी हैं. इनमे सदस्यों की संख्या 9 लाख 16 हजार 526 है. लेकिन अब तक जिले में कुल 7 लाख 57 हजार 290 लोगों ने ही केवाईसी अपडेट कराया है. बाकी के 1 लाख 58 हजार 710 लोगों का केवाईसी अपडेट नहीं हो सका है. मतलब करीब 83त्न लोगों ने ही अपडेट कराया है. अभी भी 17त्न लोग बचे है. ऐसे लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है. आप जल्द से जल्द अपने राशन दुकान में जाकर अपना केवाईसी अपडेट करा सकते हैं. जिला खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव ने बताया है की डेडलाइन तो खत्म हो चुकी है लेकिन अभी भी अपडेट कराया जा सकता है।

**सरगुजा के खाद्य अधिकारी से जानिए राशन कार्ड में केवाईसी अपडेट**

सरगुजा खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव कहते हैं कि शासन के निर्देश पर समस्त राशन कार्ड धारकों का केवाईसी सत्यापन कराया जा रहा था इसकी अंतिम तिथि 31 अक्टूबर थी, जिसके अनुसार अपडेशन का कम बंद हो चुका है। जिले में 83 प्रतिशत लोगों ने ही अपडेट कराया है. 17 प्रतिशत लोग बचे हुए है. इनका कार्ड निरस्त करने अभी शासन से कोई निर्देश नहीं है, अभी इनके राशन का आबंटन भी आ रहा है. आगे जैसा निर्देश प्राप्त होगा वैसा करेंगे. खाद्य अधिकारी के जरिए राशन कार्ड हितग्राहियों से अपील की है कि पोर्टल में अपडेशन अभी भी किया जा सकता है जो छूट गये हैं वो अपना केवाईसी अपडेट करा सकते हैं।

## बहन को लेने जा रहे युवक की बाइक ट्रक से टकराई,मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जशपुर मेन रोड में 14 नवंबर की रात को सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक जाकर टकरा गई। दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई।

जानकारी के अनुसार अनिल नेताम पिता अर्जुन नेताम (22) पत्थलगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बतुरबहरा का रहने वाला था। 14 नवंबर की रात को इसकी बहन बस से घर आ रही थी। रास्ते में बस खराब हो गई थी। बहन फोन कर बताया तो अनिल उसे बाइक से लेने जा रहा था। रास्ते में जशपुर मेन रोड में सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक जाकर टकरा गई। दुर्घटना में अनिल गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए पत्थलगांव अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

## छठ मनाने झारखंड गए थे माता-पिता,इधर युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

माता-पिता सहित अन्य लोग छठ मनाने झारखंड गए थे। इधर अकेले रह रहा युवक ने शुक्रवार की रात घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में मणिपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बब्लू चौधरी पिता मुन्ना चौधरी उम्र 20 वर्ष मणिपुर थाना क्षेत्र के मठपारा का रहने वाला था। वह सोसायटी का संचालन करता था। इसके माता-पिता व परिवार के अन्य लोग छठ मनाने झारखंड गए थे। शुक्रवार की सुबह बब्लू के दोस्त क्रिकेट खेलने जाने के लिए उसके घर के पास आकर आवाज दिए तो अंदर से दरवाजा नहीं खोला। दोस्तों ने उसके मोबाइल पर भी फोन किया पर रिसिव नहीं किया। इसके बाद दोस्ते ने घर के पीछे के दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो वह फांसी पर लटका था। दोस्तों ने घटना की जानकारी आस पास के लोगों को दी। सूचना पर मणिपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

# बिक्री करने के लिए घर में रखा था गांजा,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

650 ग्राम गांजे के साथ लखनपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वह अपने घर में बेचने के लिए रखा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार 14 नवंबर को लखनपुर पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की ग्राम सिरकोतंगा निवासी गंगा राम राजवाड़े अपने घर में बिक्री करने के लिए गांजा रखा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस छापेमारी कर 650 ग्राम गांजा जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी गंगाराम राजवाड़े को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा धारा 20 (ए) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

## नर्मदापुरम में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने खिलाड़ी रवाना

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

68 वीं राष्ट्रीय स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया 17, 19 वर्ष बैडमिंटन एवं 17 वर्ष बालक-बालिका शतरंज मध्य प्रदेश के नर्मदा पुरम, होशंगाबाद में 17 से 21 नवंबर तक आयोजित है। इसमें भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ की टीम का नेशनल कोचिंग कैंप अंबिकापुर में आयोजित हुआ। छत्तीसगढ़ की टीम नर्मदापुरम में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 15 नवंबर को ट्रेन से रवाना हुए। टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए खिलाडियों को कलेक्टर विलास भोसकर एवं खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं व्यक्त है। खेल प्रशिक्षक के रूप में टीम के साथ आनंद दीवान, पवनीत सिंह, शेष रतन जायसवाल, निर्मला यादव, नूरजहां, युवराज सिंह जा रहे हैं।

# चौकी बसदेई पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में 01 और आरोपी को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर, 15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के कड़े निर्देश के बाद से ही पुलिस के द्वारा नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों की धरपकड़ लगातार की जा रही है। पूर्व में दिनांक 04/11/2024 को चौकी बसदेई पुलिस के द्वारा रेलवे स्टेशन सूरजपुर रोड के गाड़ी पार्किंग से करमबीर कुमार पाटिल उर्फ छोटू से 1 लाख रूपये कीमत के 5 किलो मादक पदार्थ गांजा जप्त कर अपराध क्र. 620/24 धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर उसे गिरफ्तार किया था।

मामले में आरोपी से पूछताछ के आधार पर प्रकरण में संलिप्त मनोज कुमार सिंह पिता हेम नारायण सिंह उम्र 56 वर्ष ग्राम झारसुगड़ा बीटीएम चौक थाना बीटीएम जिला झारसुगड़ा उड़ीसा को पकड़ा गया। प्रकरण में अवैध मादक पदार्थ गांजा का अवैध व्यापार करने में संलिप्तता एवं अवैध व्यापार वित्त पोषण करने तथा पूर्व में पकड़े गए आरोपी करमबीर कुमार पाटिल को संश्रय देने एवं सहायता करने के मामले में धारा 27(क), 29 एनडीपीएस एक्ट जोड़ी जाकर आरोपी मनोज कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में एएसआई संजय सिंह, प्रधान आरक्षक आनंद सिंह, आरक्षक नीलेश जायसवाल, अभय तिवारी व अमित सिंह सक्रिय रहे।

# बाल दिवस पर खेल प्रतियोगिता के साथ शिक्षको ने बच्चो को कराया न्योता भोज

- संवाददाता -
सूरजपुर, 15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

चाचा नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में सभी विद्यालयों में धूम धाम से मनाया जाता हैं ।

सूरजपुर जिले अंतर्गत प्राथमिक शाला सड़कपारा तुलसी एवं माध्यमिक शाला तुलसी में संयुक्त रूप से बाल दिवस पर खेल प्रतियोगिता के साथ साथ संस्था के शिक्षकों द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना नेवताभोज कराया गया । प्राथमिक शाला सड़कपारा तुलसी के प्रधान पाठक रंजय सिंह,माध्यमिक शाला तुलसी के प्रधान पाठक दिनेश प्रसाद गुप्ता ने बच्चो को कुर्सी दौड़,जलेबी दौड़,बोरा दौड़ के साथ अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें बालक बालक बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया जिसमें विजेताओं को प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया ।

बाल दिवस के अवसर पर सभी छात्र छात्राओं को लेखनी प्रदाय कर बाल दिवस की बधाई दी गई इस अवसर पर संस्था के सभी शिक्षकों द्वारा शाला प्रबंध समिति एवं बच्चो को छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना न्योता भोज कराया।

कुर्सी दौड़ बालक सीनियर में कुंवर साय प्रथम,सत्यम रजवाड़े द्वितीय,जितेंद्र सिंह तृतीय रहे,जूनियर वर्ग में प्रथम आयुष, द्वितीय परमबीर , तृतीय अंशु सिंह,कुर्सी दौड़ बालिका सीनियर वर्ग में कविता प्रथम राजवाड़े,द्वितीय बबीता राजवाड़े,तृतीय झूली राजवाड़े,जूनियर वर्ग में प्रथम आराधना ,द्वितीय अंकिता ,तृतीय लक्ष्मी सिंह रहे ।

बोरा दौड़ बालक सीनियर में प्रथम लुकेश्वर राजवाड़े, द्वितीय जितेंद्र सिंह, तृतीय बिनोद राजवाड़े, जब की जूनियर वर्ग में प्रथम लालजीत रजवाड़े, द्वितीय दिनेश पैकरा,तृतीय जितेश राजवाड़े रहे,

बालिका वर्ग सीनियर में प्रथम पूर्णिमा , द्वितीय चांदनी यादव,तृतीय झूली राजवाड़े ,जब की जूनियर वर्ग में प्रथम रितु राजवाड़े,द्वितीय मीनाक्षी राजवाड़े, तृतीय टिकेश्वरी रहे । जलेबी दौड़ में भी बालक सीनियर जूनियर एवं बालिका सीनियर जूनियर को पुरस्कृत किया गया।

बाल दिवस पर बच्चों में अत्यधिक उत्साह देखा गया सभी बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

इस अवसर पर माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक दिनेश प्रसाद गुप्ता,प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक रंजय सिंह,शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष मोहर मनियां रजवाड़े,चुन्नू लाल,जगन रजवाड़े,मनीष केहरी, प्रदीप जायसवाल, विशाल पांडेय, संजय केशरी,यशवंत जायसवाल,प्रभाती बैरागी, एंजेला टोप्पो,गिरधारी यादव,देव कुमारी सिंह,कांति सिंह, छाया सिंह, रुग्मेन रजवाड़े सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

# अशफाक का 52 दिन में रकम डबल करने की स्कीम ने लोगों को स्कैम फंसाया

## जो कहते थे कि अशफ़ाक व उसके पिता मेरे साथ गलत नहीं करेंगे आज वही पानी पी-पी कर गाली दे रहे...

**अशफाक से ठगे हुए लोग बेचैनी में काट रहे दिन...ठगे जाने का दर्द इतना है कि न जाने आगे क्या होगा ?**

**अशफाक व उसके पिता के बाद पूरा परिवार गांव छोड़कर रिश्तेदारों की पनाह में**

**शिकायतों की संख्या बढ़ती जा रही,लोगों का सब्र का बांध टूटता जा रहा**

**अब अशफाक के पास पैसे लगाने वाले के विरुद्ध भी शिकायत होनी शुरू**

**दैनिक घटती-घटना के खबर पर भरोसा ना करना लोगों के लिए बना मुसीबत**

### पैसे तो नहीं मिला पर धमकी जरुर मिली

प्रार्थी ने यह भी बतया की मोबाईल से शाहरूख से संपर्क करने पर शाहरूख की पत्नी के द्वारा मुझे धमकी दिया जाने लगा कि तुम पैसा के लिए फोन मत करना और ना ही मेरे पिता व भाई का पता करने के लिए भी फोन मत करना नहीं तो तुमको उल्टा फंसा दूंगी, अभी तुम हमको जानते नहीं हो और मैं अपने पति शाहरूख को कुछ नहीं होने दूंगी,तुमको जो करना है वो कर लो मैं भी तुम्हारे खिलाफ झूठा रिपोर्ट लिखवाउंगी और उल्टा फंसा दूंगी,मैं महिला हूं तुम कुछ नहीं कर पाओगे। कुछ दिनों के बाद जब अशफाक उल्लाह के घर पैसा मांगने गया तब घर में एक महिला जिसे अशफाक अपनी बहन बताता था, के द्वारा धमकी देने लगी कि बार बार घर आओगे तो 376 में फंसा दूंगी/झूठे केस मुकदमें में फंसा दूंगी, तुमको जो करना है कर लो, ज्यादा बोलोगे तो गांव से जिंदा जा नहीं पाओगे, एसी धमकी दिया गया। इसी प्रकार की धमकी शाहरूख, मेराज के द्वारा भी दिया जाने लगा, मौके पर अशफाक उसके पिता जरिफ, माता, जरिफ की वृद्ध माता तथा जरिफ का दामाद शहरूख व ग्राम का उनका दलाल एक व्यक्ति शोहराब भी मौजूद था, सभी के द्वारा धमकी दिया जाने लगा, जिससे हम डर गए और वहां से चले गए, मेरे साथ मानपुर गांव का सैरूद सेखू अली, जफर हैदर, मेरा भाई सलमान तथा मेरा भांजा शाहिद अली उर्फ ईक्कू भी उपस्थित था।

### अपनी बेटी बताते हुए एक अज्ञात महिला से मोबाईल से बात कराया

प्रार्थी ने यह भी बतया की जरिफ उल्लाह द्वारा यह भी कहा गया कि मेरी बेटी का ईलाज करवाना है कुछ पैसा अधिक दे देते, ऐसा कहते हुए अपनी बेटी बताते हुए एक अज्ञात महिला से मेरी मोबाईल से बात भी कराया, जिसने अपना तबीयत का ईलाज करने हेतु अतिरिक्त पैसा देने को जोर दिया, जिससे मैने 2.5 लाख कैश रूपये इस शर्त पर जरिफ व अशफाक को दिया कि यह 2.5 लाख जल्दी लौटाना होगा, क्योकि यह राशि मेरे किडनी के ईलाज में उपयोग किया जाना है, चूंकि मेरे किडनी का इलाज हैदराबाद से होना है। जिस पर जरिफ उल्लाह, अशफाक उल्लाह द्वारा यह कहा गया कि यह 2.5 लाख रू आपको 1 माह में ही मिल जाएगा। जिस पैसे की गारंटी अशफाक उसके पिता समेत शाहरूख तथा मेराज द्वारा भी लिया गया। समय बीतने पर दिनांक के बाद जब जरिफ उल्लाह व अशफाक से अपना पैसा लेने के लिए संपर्क किया गया तो उनके द्वारा 2-3 बार डेट दिए कि इस डेट को पैसा मिल जाएगा, लेकिन जो डेट उनके द्वारा दिया जाता था उस दिनांक को पैसा नहीं देकर अगला तारीख देते थे, ऐसा करते करते 10-12 बार तारिख देते गए लेकिन पैसा नहीं दिया गया। 10 लाख में से एक पैसा भी नहीं दिया गया।

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर 15 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जब दैनिक घटती-घटना सभी को बता रहा था कि अशफ़ाक बहुत बड़ा ठग निकलेगा, उस समय लोगों को विश्वास नहीं हो रहा था, उस समय लोगों का कहना था कि अशफाक व उसके पिता काफी नेक आदमी है, ऊपर वाला उनके साथ है, आज वही लोग अशफाक व उसके पिता को सुबह शाम गालियां दे रहे हैं और उसे दिन को कोष रहे हैं कि आखिर हम लोग अखबार की बात मान लिए होते तो आज ठगी का शिकार नहीं हुए होते, बर्बादी के रास्ते पर नहीं खड़े होते बाप बेटे की वजह से जिले के कई लोग ठगी का शिकार हो गए, बर्बाद हो गए, अब उनके पास कुछ बचा नहीं,दर्द इतना है कि वह सिर्फ कहर रहे हैं बस कर कुछ नहीं पा रहे, सभी की उम्मीद अब अशफाक व उसके पिता से टूट चुकी है और वह जान चुके हैं कि अब उनका पैसा मिलना मुश्किल है, धीरे-धीरे शिकायतों की संख्या अब बढ़ती जा रही है और ठगी होने का रकम भी अब बढ़ता जा रहा है, अब शिकायतों के अंत में ही यह पता चलेगा कि अशफाक ने कितने लाख की ठगी की? अभी तक के आए शिकायत के अनुसार 1 करोड़ से अधिक रकम की ठगी की शिकायत अबतक मिल चुकी है, यदि न्यूज़ को भी देखकर रुक गए होते तो आज बर्बादी की जिंदगी नहीं जीते यह शब्द अब ठगे हुए लोगों के जुबान से निकलने लगी है।

### अशफाक व उसके पिता की वजह से सूरजपुर के धनाठ लोग भी खाली हो गए...

सूरजपुर जिले में कितना पैसा है यह बात तब पता चली जब लोग ठगी का शिकार हो, एक 23 साल के लड़के ने अच्छे-अच्छे लोगों को ठगा, ठगने में उसने ना तो परिवार देखा ना समाज देखा और ना ही उसे किसी अपराध का डर दिखा, सिर्फ वह ठगने में इतना मशगूल था की जिसके पास पैसा है सबको चिन्हित कर ठगता चला गया, जिस वजह से सूरजपुर में कई लोग अपना लाखों गवा बैठे, इस ठग के चक्कर में, स्थिति यह है कि अब लोगों में कहीं भी पैसा निवेश करने की हिम्मत तो बची ही और ना ही पैसा बचा। सूरजपुर में पैसे वाले लोग अब खाली हो चुके हैं इस ठग के चक्कर में। बड़े-बड़े लोगों को अशफाक नाम का ठग खूब ठगा कोई ऐसा बच्चा नहीं जिसे इस व्यक्ति ने ठगा नहीं।

### अब सोशल मीडिया पर भी खुलकर आने लगे लोग और गिरफ्तारी की कर रहे मांग

अशफाक व उसके पिता से लोगों का मोह हुआ भांग, अब चाह रहे कि उसके ऊपर हो कड़ी कार्रवाई, सोशल मीडिया पर भी अब लोग खुलकर आने लगे हैं और उसकी गिरफ्तारी की मांग करने लगे हैं, जिन लोगों को अशफाक व उसके पिता पर इतना भरोसा था कि वह ऊपर वाले से भी ज्यादा भरोसा कर बैठे थे पर आज जब उनका भरोसा टूटा तो सारी चीज खत्म हो गई, अब उनके पास सिर्फ एक ही मकसद बच गया है अशफाक को जेल की सलाखों के पीछे देखना।

### यदि दैनिक घटती-घटना अखबार के खबर से सचेत होते तो आज अशफाक के स्कैम के शिकार नहीं होते

दैनिक घटती-घटना खबर प्रकाशित कर इस बात का अंदेशा पहले ही जाता रहा था कि बहुत बड़ी ठगी होने वाली है, लगातार खबर प्रकाशित कर लोगों को जागरूक करने का काम कर रहा था ताकि लोग ठगी का शिकार ना हो, फिर भी लोगों को खबर से ज्यादा अशफ़ाक व उसके पिता की 52 दिनों मे रकम डबल करने की स्कीम पर भरोसा था, आज खबर पर भरोसा ना करना ही उनकी सबसे बड़ी भूल मानी जा रही है, अपने जिंदगी भर की कमाई रकम अशफाक के चक्कर में गवा दिए लोग। अखबार की प्रतिष्ठा पर भी सवाल उठाया गया, पत्रकारों पर भी पैसे का आरोप लगाया गया, फिर भी खबर लगती रही और अखबार लोगों को जागरूक करने का काम करता रहा, जिस वजह से पत्रकार को भी झूठी शिकायतो व अधिवक्ता के नोटिस भी झेलनी पड़ी पर आज अखबार का खबर ही सही साबित हो रहा।

## अशफाक के पास पैसे लगवाने वाले के विरुद्ध भी शिकायत होनी शुरू...

अभी तक अशफाक के पास जो पैसे लगाए थे,वही शिकायत कर रहे थे,अब तो अशफाक के पास जो लोगों को लाकर पैसे लगवाते थे और अपना कमीशन सेट करते थे अब उनके विरोध भी शिकायत होनी शुरू हो गई है,पहली शिकायत सामने आई है जिसमें मो. अल्ताफ अली पिता मो. अशरफ अली निवासी ग्राम मानपुर थाना व तहसील सूरजपुर ने आरोप लगाते हुए कहा है कि ग्राम शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान निवासी मेराज अंसारी से लगभग 6 माह पहले मुझसे मिला तथा उसके द्वारा यह कहा गया कि मेरे गांव में अशफाक उल्लाह तथा उसके पिता जरिफ उल्लाह आजकल नया बिजनेस चालू किए है जिसका नाम के.जी.एन. है जिसमें आप पैसा लगा दो तो 52 दिन बाद आपको दोगुना रकम दिया जाएगा,चूंकि मेराज से हमारे पहले से जान पहचान थी परंतु मेरे द्वारा यह कहा गया कि मैं स्वयं अशफाक व जरिफ से मिलकर बात करके समझने के बाद ही दूंगा। उसके दूसरे दिन मेराज तथा अशफाक का बहनोई शाहरूख मुझ से मिलने सूरजपुर आए और पैसा लगाने के लिए बोले और अशफाक तथा जरिफ उल्लाह से भी मोबाईल से बात करवाए, उन्होंने कहा कि हमें पैसा कैश चाहिए। मैंने मेराज के साथ अशफाक के घर तथा दुकान गया, जहां जरिफ उल्लाह का साढू कय्यूम बैठा हुआ था जो कि केजीएन बिजनेस में पैसा लगाने के लिए मुझे तरह तरह से कन्वेंस किया, वहां से मै मेराज अंसारी व शाहरूख में साथ अशफाक के घर गया, जहां अशफाक व उसके पिता जरिफ उल्लाह, उसका भाई रहमत उल्लाह, रहमत उल्लाह की पत्नी आशिया, अशफाक की माता नूरजहां,व अशफाक की दादी तथा जरिफ उल्लाह की बहुएं भी घर पर ही थी, बैठने के बाद जितने भी सदस्य उपस्थित थे सभी के द्वारा पैसा डबल करने के तरह तरह के स्किम के बारे में बताकर पैसा लगाने के लिए कहने लगे, जिनके द्वारा भी यह आश्वासन दिया गया कि हमारे बिजनेश में हमने आजतक बहुत से लोगों को पैसा डबल करके दिए है,आप फिक्र मत करें आप का पैसा टाईम से मिल जाएगा। 2 दिनों बाद मैनें बैंक से लोन लेकर अशफाक के खाते में आर टी जी एस किया आरटीजीएस करते वक्त अशफाक व अशफाक के पिता, मेराज, शाहरूख मौजूद थे। आरटिजीएस जमा पर्ची के अनुसार अशफाक के खाते में छत्तीसगढ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा सूरजपुर से खाता न0 77081690677 में 7 लाख 50 हजार जमा किया, इसके बदले अशफाक के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा शिवप्रसाद नगर का 7 लाख 50 हजार का चेक दिया सका चेक न. 001317 4975216031 690677 29 दिया गया।

# बालको ने बाल दिवस पर आयोजित किया पुस्तक महोत्सव

-संवाददाता-
कोरबा,15 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने बाल दिवस के अवसर पर सात दिवसीय पुस्तक महोत्सव का आयोजन किया है। शिक्षा और साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपनी ने विद्या भवन सोसाइटी के सहयोग से अपने सामुदायिक विकास पहल 'प्रोजेक्ट कनेक्ट' के अंतर्गत महोत्सव आयोजित किया। यह महोत्सव बच्चों, परिवारजन तथा सभी उम्र के पुस्तक प्रेमियों के लिए खुला है जो समुदाय को साहित्य से जुड़ने के लिए आमंत्रित करता है। 17 नवंबर, 2024 तक चलने वाला महोत्सव पुस्तकों का एक जीवंत वातावरण प्रदान करता है जहाँ बच्चे आलोचनात्मक पठन कौशल के साथ नई रुचियों को खोजने तथा सीखने की ललक को बढ़ा सकते हैं। पिछले 3 दिनों में इस महोत्सव में 1200 से अधिक लोगों ने भाग लिया है, जो समुदाय की मजबूत भागीदारी और उत्साह को दर्शाता है। पुस्तक महोत्सव का उद्देश्य युवाओं में साहित्य तथा पढ़ने के प्रति रूचि उत्पन्न करना है। 2000 से अधिक पुस्तकों के साथ बच्चों की विविध रुचियों के अनुरूप इंटरैक्टिव कहानी सत्र, आकर्षक कार्यशालाएँ तथा शैक्षिक खिलौने शामिल हैं। जानकारीपूर्ण पुस्तक संग्रह के साथ महोत्सव में रोचक पठन सत्र, लेखक चर्चा, शब्दावली निर्माण तथा गणित-केंद्रित गतिविधियाँ भी शामिल हैं। ये सभी रोचक जानकारी जिज्ञासा जगाने तथा साझा सीखने का अवसर प्रदान करती हैं। इंटरैक्टिव माहौल में बच्चों तथा अभिभावकों के लिए शैक्षिक खेल भी शामिल हैं जिससे परिवार के साथ जुड़ने का अनुभव तथा आलोचनात्मक सोच तथा रचनात्मकता का विकास होता है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि कहा कि हम अपने समुदाय में युवाओं के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा बाल दिवस पुस्तक महोत्सव पढ़ने के उत्सव के साथ एक आनंदमय समागम है जो परिवार और समुदाय के बंधन को मजबूत करता है। प्रोजेक्ट कनेक्ट के माध्यम से हम कोरबा में शैक्षिक मानकों को उंचाई प्रदान कर रहे हैं। अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए सार्थक मार्ग तैयार कर रहे हैं जिससे उज्जवल भविष्य की नींव रखी जा सके। जिला शिक्षा संस्थान (डाइट) के प्राचार्य श्री रामहरी शराफ कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम युवा दिमागों को प्रेरणा प्रदान करने का कार्य करती हैं जो सीखने की लालसा को बढ़ावा देने तथा उनके भविष्य की यात्रा का मार्गदर्शन करते हैं। पुस्तक महोत्सव के माध्यम से बालको का बाल दिवस समारोह बच्चों को उनके विकास में मदद करने के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन प्रदान कर रहा है।

**कार्यालय कार्यपालन अभियंता**
**लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,खण्ड-बलरामपुर(छ.ग.)**

E-mail:eebalram-phe-cg@nic.in

रूचि की अभिव्यक्ति क्रं/01/ले.शा.जजी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./बलरामपुर
दिनांक 11.11.2024

**ऑनलाईन निविदा आमंत्रण**

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत Wall Writing and Wall Painting के विभिन्न कार्यों के लिए रूची की अभिव्यक्ति हेतु निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

| सि.नि.क्रं. | कार्य की अनुमानित लागत(रू.लाख में) |
|---|---|
| 161131 | 85.76 |

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि,बिड वैधता की तिथि, कार्य की अवधि,निविदाकार की श्रेणी, एवं कार्यों तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑनलाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 18.11.2024 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 06.12.2024 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑनलाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,खण्ड-बलरामपुर(छ.ग.)

जी.नं-242503773/2

**कार्यालय विशेष विवाह अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0**

वि0प्र0क्र0 /विशेष विवाह/2023-24
फार्म- "अ"

**सार्वजनिक सूचना**

सर्व साधारण की जानकारी के लिये यह सार्वजनिक सूचना जारी किया जाता है कि आवेदक नवीन सिंह राजपुत आ0 विजय सिंह राजपुत,आयु 33 वर्ष, जाति राजपुर, निवासी केदारपुर,अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 एवं आवेदिका शांति सावैयां आ0 कल्याण सावैया, आयु 29 वर्ष निवासी-मकान क्रमांक 129 ग्राम सोनपुरकला, पोस्ट-परसा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत आयशित विवाह की सूचना संबंध आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित अभिप्रेत विवाह पंजीयन की सूचना के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोईव्यक्ति इस न्यायालय में दिनांक 25/11/2024 को दिन के 11:00 बजे तक अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेगा।

सील
विशेष विवाह अधिकारी
अम्बिकापुर,सरगुजा

**कार्यालय विशेष विवाह अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0**

वि0प्र0क्र0 /विशेष विवाह/2023-24
फार्म- "अ"

**सार्वजनिक सूचना**

सर्व साधारण की जानकारी के लिये यह सार्वजनिक सूचना जारी किया जाता है कि आवेदक नवीन टोप्पो आ0 अलेक्जेंडर टोप्पो, आयु 38 वर्ष, जाति उरांव, निवासी ग्राम रामभदा, जवाहर नगर, रायगढ़, , जिला रायगढ़,छ0ग0 496001 एवं आवेदिका दिसी मिंज आ0 स्व0 फुलजेंस मिंज, आयु 35 वर्ष, जाति उरांव, निवासी रिंग रोड, नेहरू विद्या मंदिर नमनाकला, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 497001 के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत आयशित विवाह की सूचना संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित अभिप्रेत विवाह पंजीयन की सूचना के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोईव्यक्ति इस न्यायालय में दिनांक 09/12/2024 को दिन के 11:00 बजे तक अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेगा।

सील
विशेष विवाह अधिकारी
अम्बिकापुर,सरगुजा

**न्यायालय तहसीलदार खड़गवां जिला-एम0सी0बी (छ.ग.)**

क्रमांक B / वाचक/2023-24
खड़गवां दिनांक 08/11/2024

// ईश्तहार//

सर्व साधारण ग्राम खड़गवां के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलवंत राय शर्मा आ 0 बंशीराम शर्मा जाति ब्राम्हण निवासी खड़गवां तहसील खड़गवां जिला-एम0सी0बी (छ0ग0)के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि ग्राम खड़गवां प.ह.न. 11 तहसील खड़गवां जिला-एम0सी0बी0 (छ0ग0) में स्थित भूमि ख0नं0 274/1, 275/2 रकबा 0.0200, 0.0200 हे0 भूमि राजस्व रिकार्ड में आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक का नाम राजस्व एवं ऑनलाईन कम्प्यूटर में त्रुटिवश बलवन्द राम शर्मा आ0 बंशी राम शर्मा अंकित हो गया है जबकि आवेदक का सही नाम बलवंत राय शर्मा आ0 बंशीराम शर्मा है। आवेदक के आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में बलवंत राय शर्मा आ0 बंशीराम शर्मा अंकित है। आवेदक द्वारा त्रुटिपूर्ण नाम को सुधार कर बलवंत राय शर्मा आ0 बंशीराम शर्मा करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसे इस न्यायालय द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी भी व्यक्ति या हितबद्ध पक्षकार को किसी प्रकार का आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 22/11/2024 के भीतर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात किसी भी प्रकार के आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के शील पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

तहसीलदार
खड़गवां,जिला-एम0सी0बी0 (छ0ग0)

सील

# क्या महिला बाल विकास मंत्री का भाईयों के अलावा कोई नहीं है कोरिया में समर्थक?

## महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का सिर्फ चचेरा व सगे भाई ही बैनर पोस्टर का उठा रखे हैं जिम्मेदारी?

## मंत्री का चचेरा भाई होने के नाते क्या रहा है निर्माण कार्य?

## डेढ़ साल पहले मंत्री के चचेरे भाई का भाजपा में हुआ था उदय...बनाया गया था युवा मोर्चा का महामंत्री

-रवि सिंह-
सूरजपुर/कोरिया, 15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिला कोरिया का पड़ोसी जिला है और इसी जिले से आती हैं भटगांव विधायक एवं छत्तीसगढ़ की कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े,लक्ष्मी राजवाड़े को पहली बार भाजपा से भटगांव विधानसभा क्षेत्र से टिकट मिला और किस्मत की धनी थी कि वहां से उन्होंने जीत भी दर्ज कर लिया और प्रदेश में उन्हें कैबिनेट में जगह भी मिला और उन्हें महिला एवं बाल विकास मंत्री बनाया गया,पर पहली बार में ही कैबिनेट में जगह मिलने की वजह से इन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिली जो लोकप्रियता मिलनी थी,कहा जाए तो उन्हें राजनीतिक तजुर्बा उतना नहीं था जितना कई बार के विधायकों में,आज भी उन्हें आलोचनाओं का शिकार होना पड़ता है,उसकी वजह सिर्फ यह है कि वह भी कुछ लोगों के इर्द-गिर्द ही अपनी राजनीति को देखती हैं,जिस कारण उन्हें लोकप्रियता के बाजार में आलोचना का शिकार होना पड़ता है,जहां एक कैबिनेट मंत्री का जनाधार वाली मंत्रियों में शुमार होना चाहिए था,पर जहां उनके 1 साल के कार्यकाल बीतने को है पर वह अपना जनाधार बन पाने में अभी तक असफल है, उनका जनाधार पहली बार में ही बढ़ाना था और लोगों के बीच जाकर अपनी उपलब्धियां दिखानी थी, जिसमें वह अभी तक सफल नहीं हो पाई हैं, आगे कैसा रहेगा यह तो समय बताएगा, जनाधार वाले नेता न बन पाने की मुख्य वजह है कुछ लोगों के इर्द-गिर ही रहना। स्थिति तो यह है कि अपने जिला में तो वह अपनी लोकप्रियता खो ही रही हैं, पड़ोसी जिलों में भी उनकी लोकप्रियता नहीं है, जो कई बार देखने को मिलता है, जो हाल ही में उनके जन्म दिवस पर भी देखने को मिला, कोरिया जिले में जहां उनके समर्थकों को कैबिनेट मंत्री के जन्मदिन पर शहर को बैनर पोस्टर से पाट देना था,वहां स्थिति यह थी कि उन्हें बधाई देने वालों की भी कमी देखने को मिली, सिर्फ कोरिया जिले में लगता है कि उनका एक ही समर्थक है वह भी उनका चचेरा भाई व सगा भाई जो उनके नाम का बैनर पोस्टर लगता है।

लक्ष्मी राजवाडे का जन्मदिवस यानी की 10 अक्टूबर को यादगार तरीके से उनके समर्थकों को मानना था पर ऐसा होता नहीं दिखा, जैसा कि कुछ दिन पहले पड़ोसी जिले के कैबिनेट मंत्री यानी कि श्याम बिहारी जायसवाल के जन्म दिवस पर देखने को मिला था, क्या लक्ष्मी राजवाडे के पास कैबिनेट तो है पर विभाग बड़ा नहीं है इस वजह से उनकी लोकप्रियता पर प्रश्न चिन्ह लग रहा? सूरजपुर में बैनर पोस्टर तो लगाए पर बैनर पोस्टर में भी गुडबाजी जमकर देखी गई, वही उनके लिए कोई ऐसा भव्य कार्यक्रम नहीं रखा गया, जो उनके जन्म दिवस पर होना चाहिए था, जब अपने ही जिले में उनका जन्म दिवस भव्य तरीके से नहीं मनाया जा सका तो फिर पड़ोसी जिले में तो स्थिति यह थी कि उनके समर्थक की संख्या ही एक का दुका ही कहा जा सकता है, कोरिया जिले के पटना क्षेत्र में दो चार बैनर पोस्टर देखने को मिले वह भी उनके चचेरे भाई विजय राजवाड़े व सगे भाई संजय राजवाड़े ने लगवाई और अपनी दीदी को बधाई दी। जन्मदिवस को भाव दिखाने के लिए कुछ सूरजपुर के समर्थक वीडियो क्रिएटर के माध्यम से दिखाने का प्रयास तो किया पर वह भी असफल ही साबित हुआ सिर्फ जिला अध्यक्ष गुटकी दिलचस्पी ही लक्ष्मी राजवाड़े के जन्मदिन मनाने में देखने को मिली।

### क्या कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विभाग से सिर्फ महतारी वंधन का भुगतान हो रहा?

सूत्रों का कहना है कि कैबिनेट मंत्री महिला बाल विकास लक्ष्मी राजवाड़े के द्वारा अपने ही विभाग में काम नहीं हो पा रहा है क्योंकि उनके विभाग का जो भी फंड है वह महतारी वंदन के भुगतान में ही खर्च हो रहा, ऐसे में सवाल यह उठता है कि फिर वह उसे विभाग की मंत्री सिर्फ क्या महतारी वंदन का भुगतान करने के लिए बनी है या फिर उनके विभाग के बाकी काम भी हो पाएंगे?

### इनके कैबिनेट मंत्री बनने से क्षेत्र को कोई बड़ी उपलब्धि नहीं मिली

इन्हें मंत्री बने एक साल होने को है पर अभी तक उनके क्षेत्र में ही उनकी उपलब्धि नहीं दिख पाई है, अब जब उनके क्षेत्र में ही उपलब्धि इनकी नहीं दिख रही है तो फिर पूरे प्रदेश में इनकी क्या उपलब्धि होगी? यह भी सोचनीय विषय बना हुआ है, उनके मंत्री बनने को लेकर प्रदेश तो दूर उनके संभाग में ही उत्साह नहीं देखा जा रहा, खासकर उनके गृह जिला सहित उनके विधानसभा में, सिर्फ उनके विधानसभा में यदि कुछ चल रहा है तो वह है चिट फंड चल रहा है। उनके विधानसभा का एक व्यक्ति लोगों का करोड़ों रुपए लेकर फरार चल रहा है पर उसकी गिरफ्तारी भी महज खाना पूर्ति पर सिमट चुकी है।

### कैबिनेट मंत्री का खुद का विभाग अच्छे तरीके से नहीं चल रहाःसूत्र

कैबिनेट मंत्री का महिला बाल विकास विभाग भी कोई छोटा-मोटा विभाग नहीं है इस विभाग में भी कई योजनाएं हैं जिनका सही तरीके से क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा, यह विभाग इस समय ऐसा लग रहा है कि किसी खराब दौर से गुजर रहा है। सिर्फ इस विभाग में कमीशन ही चल रहा है वह भी फंड न आने की वजह से धीरे हो गया है।

### स्वेच्छा अनुदान भी भाई-भतीजा वाद में सिमट गया था

उनकी पहली स्वेच्छा अनुदान सूची में असहाय और गरीब तबके के लोग नहीं उनके घर परिवार के ही कई लोग थे, जो तकरीबन दो से तीन लाख उनके नाम से जारी हुए थे, स्वेच्छा अनुदान की राशि काफी महत्वपूर्ण राशि होती है जो किसी भी विधायक मंत्री के द्वारा अक्षम लोगों को दिया जाता है पर यहां तो पूरे परिवार में ही इस राशि को बांट दिया गया था जैसा सूची में देखने को मिला।

### क्या चचेरे भाई है सुपर मंत्री?

सूत्रों का दावा है कि कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का कई काम उनके चचेरे भाई विजय राजवाड़े के द्वारा देखा जा रहा है, विजय राजवाड़े इस समय ऐशो आराम की जिंदगी काट रहे हैं, महंगे मोबाइल फोन व रहन-सहन में भी परिवर्तन आ गया है, ऐसा सिर्फ मंत्री बनने के बाद ही आया है किसी भी काम के लिए इस समय लोग विजय राजवाड़े को खोजते हैं तब जाकर मंत्री तक पहुंच पाते हैं, विजय राजवाड़े का काम पूरा रायपुर तक संभाल रहे ऐसा सूत्रों का दावा है। विजय राजवाड़े इस समय सुपर मंत्री से कम नहीं है ऐसा कब चर्चओं में है।

# कलेक्टर अजीत वसंत की उपस्थिति में सहकारी समिति पोड़ी में धान खरीदी का हुआ शुभारंभ

-संवाददाता-
कोरबा, 15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर किसानो से धान खरीदी कार्य का आज से शुभारंभ हो गया है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत की उपस्थिति में आज विकासखण्ड पोड़ी उपरोड़ा के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित केंद्र पोड़ी में धान खरीदी कार्य का शुभारंभ हुआ। समिति में किसानों का पुष्पमाला भेंटकर स्वागत किया गया एवं इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन की पूजा अर्चना कर धान खरीदी की विधिवत शुरुआत की गई। ग्राम टुनियाकछार के कृषक श्रीमती माधुरी देवी एवं उनके पति श्री जे पी सिंह द्वारा लगभग 10 क्विंटल धान विक्रय हेतु उपार्जन केंद्र लाया गया था। कलेक्टर ने कृषक श्रीमती माधुरी देवी को शुभकामनाएं देते हुए समिति प्रबंधक को धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित कराने हेतु केंद्र में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने एवं सभी समितियों में गुणवत्ता युक्त धान खरीदी करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि समिति में किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी नही होनी चाहिए,सभी अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर ने केंद्र में धान की नमी परीक्षण का जांच करते हुए बारदाना उपलब्धता, धान भंडारण एवं उठाव व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने हमाल पंजी, बारदाना पंजी सहित केंद्र में संधारित किए जाने वाले सभी पंजियों का अवलोकन किया। उन्होंने जिले के समस्त उपार्जन केंद्रों में सभी पंजियों को अद्यतन रखने के निर्देश उप पंजीयक सहकारी संस्थान को दिए। साथ ही सभी केंद्रों में नाप तौल मशीन व नमी परीक्षण मशीन का अंशांकन प्रमाण पत्र प्रदर्शित कराने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की सतत निगरानी रखने एवं अवैध धान की बिक्री पर रोक लगाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा तुला राम भारद्वाज, जिला खाद्य अधिकारी घनश्याम सिंह कंवर, उप पंजीयक सहकारिता श्रीमती पूर्णिमा सिंह, जिला विपणन अधिकारी श्रीमती जाह्नवी जिलहरे, नोडल कॉपरेटिव बैंक एस. के. जोशी सहित अन्य अधिकारी एवं समिति के कर्मचारी उपस्थित थे।

# क्या जिला पंचायत सीईओ का संरक्षण मिला रहा है संलग्नीकरण समाप्त होने के बाद भी संलग्न में पदस्थ कर्मचारियों को?

## संलग्नीकरण समाप्त होने के बाद भी कर्मचारी अपने मूल पद पर वापस क्यों नहीं हुए?

## कर्मचारी काफी शातिर 12 साल से अपना मूल पदस्थापना छोड़कर संलग्नीकरण में जिला पंचायत में काट रहे मजे

## क्या जिला पंचायत सीईओ का संरक्षण मिला संलग्नीकरण समाप्त होने वाला कर्मचारियों को?

## सुरजपुर जिला पंचायत में संलग्नीकरण का खेल,संलग्नीकरण समाप्ति के आदेश पश्चात भी अपने मूल विभाग में नहीं लौट रहे संलग्न कर्मचारी

## जब चार कर्मचारियों का संलग्नीकरण समाप्त किया गया उस में तीन वापस जाने को तैयार नहीं

-शमरोज खान-
सूरजपुर, 15 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

क्या जिला पंचायत सीईओ सूरजपुर अपने आशीर्वाद पर संलग्नीकरण समाप्त होने के बाद की कर्मचारियों को अपने मूल पद पर जाने से रोक रखा है? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि प्रदेश सरकार आते ही संलग्नीकरण समाप्त कर दी थी, फिर भी कर्मचारी अपने मूल पद पर नहीं पहुंच पाए, जिसमें से सूरजपुर जिले पंचायत में संलग्नीकरण के तीन कर्मचारी अभी भी बने हुए, सूरजपुर जिले के जिला पंचायत कर्यालय में संलग्नीकरण का खेल देखा जा रहा है जहां संलग्न कर्मचारी अपने मूल विभाग में वापस नही जाना चाहते वहीं उन्हे जिला पंचायत कार्यालय से भी सह प्राप्त हो रहा है अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त हो रहा है जिसकी वजह से संलग्नीकरण समाप्ति आदेश को भी धता बता रहे हैं और अपनी मनमानी कर रहे हैं।

बता दें की जिले के जिला पंचायत कार्यालय में शिक्षा विभाग के तीन स्कूलों से तीन लिपिक वहीं जनपद पंचायत प्रतापपुर से उप अभियंता विगत कई वर्षों से संलग्न हैं और वह जिला पंचायत में ही कार्य कर रहे हैं वहीं फरवरी माह में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ही उनका संलग्नीकरण समाप्त कर दिया गया है लेकिन आज दिनांक तक तीनो जिला पंचायत में ही जमे हुए हैं और वहीं कार्य कर रहे हैं। पूर्व पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर द्वारा चारों को उनके मूल पदस्थ संस्था में वापसी के लिए आदेशित किया गया था लेकिन फरवरी माह में आदेश जारी करने उपरांत जब तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ का तबादला हो गया और नए जिला पंचायत सीईओ ने कार्यभार ग्रहण कर लिया उन्होंने पूर्व जिला पंचायत सीईओ के जारी आदेश अनुसार चारों संलग्न कर्मचारियों जिन्हे उनके मूल पदस्थ कार्यालय संस्था के लिए कार्यभार मुक्त करने आदेशित किया गया था को कार्यभार मुक्त नहीं किया गया और वह आज भी जिला पंचायत में ही जमे हुए हैं। सूत्रों का कहना है की चारों जुगाड से 12 सालों से एक ही जगह संलग्न होकर काम कर रहे हैं जबकि संलग्नीकरण समाप्ति का इस दौरान कई बार आदेश आया। अभी भी चारों जिला पंचायत में ही काम कर रहे हैं और उन्हे कोई हटा नहीं सकता उनका दावा है।

कार्यालय जिला पंचायत सूरजपुर (छ0ग0)
//आदेश//

### जिपं में शिक्षा विभाग के लिपिक अपनी सेवा प्रदान कर रहे जबकि शिक्षा विभाग और जिपं का नाता ही समाप्त हो गया है...

सबसे आश्चर्य की बात यह है की जिला पंचायत में शिक्षा विभाग के लिपिक अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं जबकि शिक्षा विभाग और जिला पंचायत का अब शिक्षा संबंध का पुराना नाता ही समाप्त हो गया और शिक्षा विभाग जो पहले जिला पंचायत की तरफ ज्यादा विस्तृत था अब शिक्षा विभाग तक ही सिमट गया है। वैसे जिला पंचायत सूरजपुर में संलग्न शिक्षा विभाग के लिपिकों की बात की जाए तो यह कहा जा सकता है की ऐसा शायद ही कहीं और प्रदेश में देखने को मिलेगा जहां शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को वर्षों से जिला पंचायत में संलग्न कर रखा गया होगा। सुरजपुर जिला अपने आप में इकलौता जिला होगा जहां एक नहीं दो नहीं तीन तीन स्कूलों के लिपिकों को जिला पंचायत में संलग्न करके रखा गया है।

### संलग्नीकरण समाप्ति आदेश का भी नहीं हुआ पालन,अभी भी जमे हैं जिला पंचायत तीन लिपिक

जिला पंचायत सूरजपुर में संलग्न चार कर्मचारियों का संलग्नीकरण समाप्त करने का आदेश फरवरी माह में जारी हुआ था वहीं तब से लेकर आज तक चारों वहीं जमे हुए हैं उन्हे भारमुक्त नहीं किया गया है। बताया जा रहा है की पूर्व जिला पंचायत सीईओ के द्वारा चारों का संलग्नीकरण समाप्त किया गया था औरजिसमे से एक की वापसी हो गई थी पर अभी भी तीन जमे हुए है, अब जिला पंचायत के सीईओ अन्य हैं जिनके द्वारा तीनों को भारमुक्त नहीं किया जा रहा। अब जिला पंचायत सीईओ की क्या मजबूरी है या क्या उनकी ऐसी जरूरत है कार्यालय की जो उन्हे संलग्न कर्मचारी पर ही भरोसा है यह तो वही जाने वहीं यदि पूर्व सीईओ ने चारों को वापस मूल कार्यालय भेजने का आदेश जारी किया था तो यह भी कहना गलत नहीं होगा की उनकी आवश्यकता उन्हे महसूस नहीं हो रही थी इसलिए वह उन्हें वापस भेजने का आदेश जारी कर चुके थे।

### शिक्षा विभाग के लिपिकों को लेकर शिक्षा विभाग क्यों है मौन,क्यों नहीं वह अपने विभाग के लिपिकों की वापसी की करता है मांग

जिले के तीन स्कूलों के तीन लिपिक वर्षों से जिला पंचायत में संलग्न हैं,तीनों के द्वारा क्या जुगाड लगाया गया है संलग्न रहने के लिए यह तो वही जाने लेकिन तीनों अपने मूल विभाग की जगह अन्य विभाग में संलग्न होकर काम करने में ज्यादा खुश हैं। वैसे इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय क्यों मौन है वह क्यों अपने कर्मचारियों की वापसी की मांग नहीं करता यह बड़ा सवाल है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को अपने विभाग के उन लिपिकों की वापसी की मांग करनी चाहिए जो वर्षों से जिला पंचायत में जुगाड से संलग्न हैं।

### क्या जिला पंचायत में है वेतन के अतिरिक्त अन्य कोई लाभ जिसके कारण नहीं लौट रहे अपने मूल कार्यालय में वहां संलग्न कर्मचारी?

जिला पंचायत में वर्षों से संलग्न कर्मचारी अपने मूल पदस्थ कार्यालय नहीं जाना चाहते और वह जिला पंचायत में ही पदस्थ रहना चाहते हैं यह देखने सुनने और जारी संलग्नीकरण आदेश की अवहेलना उपरांत समझा जा सकता है। अब सवाल यह उठता है की क्या जिला पंचायत में उन्हे वेतन के अलावा कोई अतिरिक्त लाभ मिल रहा है जिस वजह से वह वापस नहीं जाना चाहते अपने मूल पदस्थ कार्यालय में। अब वजह जो भी हो लेकिन आदेश की अवहेलना जो संलग्निकरण समाप्ति को लेकर जारी आदेश है वह तो होती नजर आ रही है और यह भी कहना गलत नहीं होगा कि जिले में चार कर्मचारी अपनी मनमानी कर रहे हैं वह अपने अनुसार कार्यालय का चयन कर काम करना पसंद कर रहे हैं और वह अपना मूल विभाग भी त्याग कर रहे हैं वहीं उनकी इस मनमानी को संरक्षण मिल रहा है। वैसे सवाल यह भी उठ रहा है की क्या ऐसी ही सुविधा मन अनुसार विभाग और कार्यालय चुनने की जिले के अन्य कर्मचारियों को भी मिलेगी या यह सुविधा इन्हीं चार लोगों के लिए है।

### क्या संलग्न तीन कर्मचारियों को मिला हुआ है राजनीतिक संरक्षण या वह अधिकारियों से जुगाड लगाकर वर्षों से हैं संलग्न?

जिले के जिला पंचायत कार्यालय में संलग्न तीन कर्मचारी किसका संरक्षण प्राप्त करके मनचाहे कार्यालय में कार्य कर रहे हैं यह एक बड़ा प्रश्न है वहीं सवाल यह भी है की क्या उन्हे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है या फिर उनका जुगाड अधिकारियों से है।वैसे राजनीतिक यदि उन्हे संरक्षण प्राप्त है तो उनका जुगाड काफी तगड़ा है क्योंकि वह दोनो दलों की सरकार में अपने अनुसार अपनी मनचाही जगह पर काम कर रहे हैं और उनका जुगाड कोई बिगाड़ भी नही पा रहा है वहीं यदि वह अधिकारियों से जुगाड बना रहे हैं तब भी उनकी काबिलियत जुगाड मामले में कम नहीं क्योंकि अलग अलग अधिकारियों के कार्यकाल में वह लगातार संलग्न ही चले आ रहे हैं।

CMYK

## खेल की संक्षिप्त खबरें

### मेगा ऑक्शन में 3 दिग्गज न्यूज़ीलैंड प्लेयर्स का अनसोल्ड होना तय

**नईदिल्ली, 15 नवंबर 2024।** इंडियन प्रीमियर लीग 2025 मेगा ऑक्शन को अब लगभग एक हफ्ते का वक्त बचा है। इस बार नीलामी में 39 न्यूज़ीलैंड के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें कई बड़े नाम शामिल हैं। मेगा ऑक्शन में 1574 खिलाड़ी हैं, जिसमें से मैक्सिमम 204 खिलाड़ी ही बिक सकते हैं। इसलिए इस बार कई बड़े प्लेयर भी अनसोल्ड रहने वाले हैं।

### मेरी सोच हमेशा टीम को प्राथमिकता देने वाली रही है

**नईदिल्ली, 15 नवंबर 2024।** जहां पूरा ध्यान पर्थ में होने वाले पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के पहले टेस्ट पर है, वहीं 24-25 नवंबर को जेद्दाह में होने वाली आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी पर भी लोगों की निगाहें लगी रहेंगी।नीलामी में सबसे ज्यादा दिलचस्पी इस बात पर होगी कि केएल राहुल कहां जाएंगे, खासकर लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) द्वारा रिटेन न किए जाने के बाद।

# ऑस्ट्रेलिया में 36 साल बाद 5 टेस्ट खेलेगा भारत

» पर्थ में पहली जीत की तलाश...

» एडिलेड में 36 पर ऑलआउट हो चुके...

**मेलबर्न,15 नवंबर 2024।** टीम इंडिया 36 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट की सीरीज खेलने के लिए पहुंच चुकी है। भारत ऑस्ट्रेलिया के पांचों प्रमुख टेस्ट वेन्यू पर मैच खेलेगा। 2018 से इन मैदानों पर भारत ने कम से कम एक मैच जरूर खेला है। पर्थ और सिडनी को छोड़कर भारत ने सभी में जीत भी हासिल की है।

पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में भारत को पहली जीत की तलाश है। वहीं सिडनी में टीम ने पिछले तीनों टेस्ट ड्रॉ ही खेले। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले 10 साल से कोई टेस्ट सीरीज भी नहीं हारी। इस बीच टीम ने 4 सीरीज 2-1 के अंतर से जीतीं। 2 अपने घर पर और 2 ऑस्ट्रेलिया में।

### ऑप्टस स्टेडियम,पर्थ : ऑस्ट्रेलिया का नया किला?

पर्थ में 2 स्टेडियम हैं, एक डब्ल्यूएसीए ग्राउंड और दूसरा ऑप्टस स्टेडियम। वाका में 2017 तक टेस्ट मैच खेले जाते रहे, 2018 से ऑस्ट्रेलिया ने ऑप्टस स्टेडियम को नया टेस्ट वेन्यू बना लिया। यहां पहला मैच भारत ने ही खेला था, तब विराट कोहली के बेहतरीन शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली थी। यहां 22 नवंबर को सीरीज का पहला मैच होगा।

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 4 टेस्ट खेले और चारों जीते। हर बार टीम ने पहले बैटिंग कर बड़ा स्कोर बनाया और जीत दर्ज की। यहां पेस बॉलर्स को ज्यादा मदद मिलती है, भारत ने पिछले टेस्ट में एक भी फुल टाइम स्पिनर नहीं खिलाया था। इसके बावजूद ऑफ स्पिनर नाथन लायन 27 विकेट के यहां के पर टॉप विकेट टेकर हैं।

पर्थ में पहली पारी का औसत स्कोर 456 रन है, इसलिए टीमें यहां टॉस जीतकर पहले बैटिंग करना ही पसंद करती हैं। मैच के दिन बढ़ने के साथ स्टेडियम में बैटिंग करना मुश्किल हो जाती है। मार्नस लाबुशेन 519 रन के साथ ग्राउंड के टॉप रन स्कोर हैं। कोहली यहां 70 की औसत से रन बनाते हैं, वहीं मोहम्मद शमी 6 विकेट ले चुके हैं।

### सिडनी क्रिकेट ग्राउंडः 2 स्पिनर खिला सकता है भारत

सिडनी की पिच ऑस्ट्रेलिया की बाकी पिचों से अलग है, यहां पेस के मुकाबले स्पिन को ज्यादा मदद मिलती है। भारत यहां 3 जनवरी से सीरीज का आखिरी मैच खेलेगा।

टीम इंडिया ने पर्थ में प्रैक्टिस शुरू की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम तैयारियों में जुटी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारतीय खिलाड़ियों के पर्थ में प्रैक्टिस करते हुए फोटो-वीडियो पोस्ट की। 5 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। इससे पहले, टीम सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई थी। सभी खिलाड़ियों ने नेट सेशन में हिस्सा लिया भारतीय टीम ने बुधवार को ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया। इस दौरान टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, टीम के उपकप्तान जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा समेत सभी खिलाड़ी शामिल हुए।

ऑस्ट्रेलिया में 1 टेस्ट मिस कर सकते हैं रोहित भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। उन्होंने बीसीसीआई को इन्फॉर्म किया है कि निजी कारणों के चलते उनका शुरुआती 2 में से किसी एक टेस्ट में खेलना मुश्किल है। रोहित इसलिए अब तक ऑस्ट्रेलिया भी नहीं पहुंचे हैं।डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए से अहम सीरीज डब्ल्यूटीसी - 25 साइकल में भारत की आखिरी टेस्ट सीरीज अब ऑस्ट्रेलिया से ही बाकी है। भारत ने 3-2 से सीरीज जीत भी ली तो भी टीम फाइनल में नहीं पहुंच पाएगी। 4 टेस्ट जीतकर ही टीम बगैर किसी पर निर्भर हुए फाइनल में जगह बना सकेगी। इस लिहाज से भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है।

## टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेंगे टिम साउदी

**ऑकलैंड,15 नवंबर 2024।** न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। कीवी टीम के लिए सर्वाधिक विकेट लेना वाला यह गेंदबाज इस साल दिसंबर में इंग्लैंड के खिलाफ हैमिल्टन के सेडन पार्क में अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट करियर का आखिरी मैच खेलेगा।

साउदी के नाम 770 विकेट हैं और उन्होंने पुष्टि की है कि आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज उनके लिए अंतिम सीरीज होगी। हालांकि,अगर न्यूजीलैंड अगले जून में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेती है, तो वह उसके लिए डुउपलब्ध रहेंगे।

साउदी ने एक बयान में कहा, न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करना ही वह सब था जिसका मैंने बचपन में सपना देखा था। 18 वर्षों तक ब्लैककैप्स के लिए खेलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य रहा है, लेकिन अब समय आ गया है कि मैं उस खेल से दूर हो जाऊं जिसने मुझे इतना कुछ दिया है।

उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है और उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ इतनी बड़ी श्रृंखला खेलने में सक्षम होना, जिसके खिलाफ इतने साल पहले मेरा टेस्ट करियर शुरू हुआ था, वह बड़ा खास है। इसके अलावा इन तीनों मैदानों पर खेलकर टेस्ट करियर को विदाई देना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से विशेष हैं। न्यूजीलैंड के लिए मेरे कार्यकाल को समाप्त करने का यह सबसे सही तरीका लगता है।

## इंग्लैंड के खिलाफ न्यूज़ीलैंड की टीम का ऐलान

**ऑकलैंड,15 नवंबर 2024।** न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ 28 नवंबर से शुरू होने जा रही टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। इसमें गेंदबाजी ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। स्मिथ, जिन्होंने बुधवार को दांबुला में श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे मैच में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया, पिछले साल प्लंकेट शील्ड प्रतियोगिता में सबसे बेहतरीन गेंदबाज साबित हुए थे। उन्होंने 17 की औसत से 33 विकेट लेकर विकेट लेने की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि मिशेल सेंटनर को वेलिंगटन और हैमिल्टन में होने वाले दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए मुख्य स्पिनर के रूप में चुना गया है, जबकि केन विलियमसन कमर की चोट से उबरने के बाद टेस्ट टीम में लौट आए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा, ब्लैक कैप्स प्रत्येक टेस्ट के लिए 13 खिलाड़ियों की टीम बनाएगी, जिसमें सेलो बेसिन रिजर्व और सेडन पार्क में होने वाले दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए सैंटनर की जगह एक तेज गेंदबाज को शामिल किया जाएगा।

इसमें बताया गया है, बेन सियर्स (घुटने) और काइल जैमीसन (पीठ) को चयन के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वे क्रमशः घुटने और पीठ की चोट से उबर रहे हैं। सेंटनर ने भारत के खिलाफ 3-0 की ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने पुणे में दूसरे टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए 13-157 का आंकड़ा हासिल किया था, जो न्यूजीलैंड के किसी भी खिलाड़ी द्वारा टेस्ट मैचों में बनाया गया तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। भारत दौरे पर गई टीम में से एजाज पटेल और ईश सोढ़ी को शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि चयनकर्ता संभावित घरेलू परिस्थितियों के लिए अलग गेंदबाजी समूह चाहते हैं, जबकि मार्क चैपमैन की जगह विलियमसन को शामिल किया गया है। चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा कि मुंबई में मैन ऑफ द मैच रहे एजाज पटेल जैसे गुणवत्ता वाले खिलाड़ी को बाहर रखना मुश्किल था, लेकिन यह निर्णय घरेलू परिस्थितियों, सैंटनर के हालिया टेस्ट फॉर्म और ग्लेन फिलिप्स की उपस्थिति को देखते हुए लिया गया। वेल्स ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, पिछले साल टेस्ट टीम में वापसी के बाद से मिचेल ने शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे यकीन है कि पुणे टेस्ट में अपने मैच जीतने वाले प्रदर्शन से वह काफी आत्मविश्वास हासिल करेंगे। हम पूरी श्रृंखला के दौरान फैंस के पूरे समर्थन और शानदार माहौल की उम्मीद कर रहे हैं।भारत में 3-0 की यादगार श्रृंखला जीत के बाद, न्यूजीलैंड के पास अभी भी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का मौका है। फिलहाल, यह टीम तालिका में चौथे स्थान पर है, भारत (दूसरे) और श्रीलंका (तीसरे) से थोड़ा पीछे है। न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम 28 नवंबर से हेगले ओवल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले 25 नवंबर को क्राइस्टचर्च में एकत्रित होगी।

### वार्नर ने खराब वनडे अभियान के बाद फ्रेजर-मैकगर्क को चेतावनी दी

**नईदिल्ली, 15 नवंबर 2024।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद जेक फ्रेजर-मैकगर्क को चेतावनी दी है कि उन्हें परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

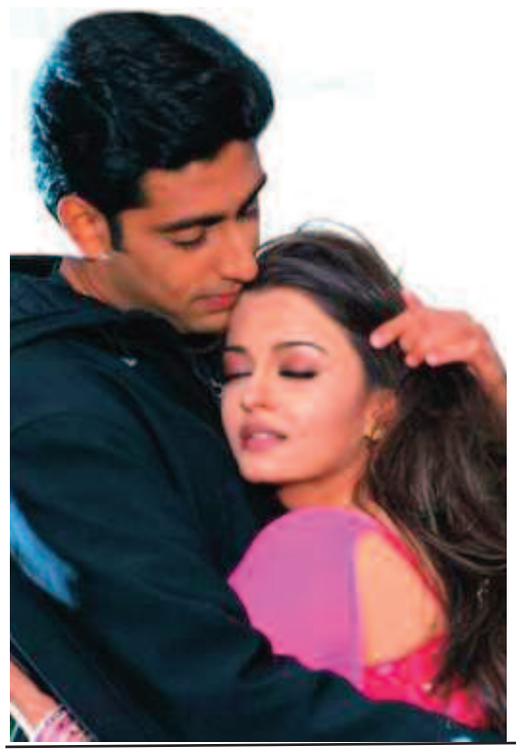

## जीवन की उलझन में फंस गए हैं

### ऐश्वर्या संग तलाक की खबरों के बीच ये क्या बोल गए अभिषेक बच्चन...जिंदगी पर दी सीख

अभिषेक बच्चन, शूजीत सरकार की आगामी फिल्म आई वांट टू टॉक की तैयारी कर रहे हैं। वो कई महीनों से अपनी पत्नी और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय से कथित अलगाव को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। कथित तौर पर उनका नाम दसवीं की को-स्टार निमरत कौर के साथ जोड़ा जा रहा है। अभिषेक ने हाल ही में ऐश्वर्या बच्चन के साथ तलाक की अफवाहों के बीच जीवन की उलझन में फंसने के बारे में बात की है। आई वांट टू टॉक एक्टर ने बताया कि लाइफ कैसे तय करती है कि आपको क्या करना चाहिए।

आई वांट टू टॉक के एक म्यूजिक लॉन्च इवेंट के दौरान, अभिषेक बच्चन ने आगामी फिल्म में शूजीत सरकार के साथ काम करने के बाद अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के बारे में बात की। अभिषेक ने शुरू में शूजीत सरकार के निर्देशन में बनी इस फिल्म के लिए अपने वजन बढ़ने का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि इस उम्र में उन्हें वजन कम करना मुश्किल लगता है। अभिषेक इवेंट में देरी से पहुंचे थे, जिसके लिए उन्होंने सबसे पहले माफी मांगी। अभिषेक ने आगे कहा, यह आपको बताता है कि वहां हर किसी के लिए थोड़ी जगह है और मुझे उम्मीद है कि आप सभी अपने जीवन में कुछ रिलेट कर पा रहे होंगे। हम सभी जीवन की उलझन में फंस गए हैं, हम वही कर रहे हैं जो हम चाहते हैं। हममें से कुछ को कॉर्पोरेट नौकरियां मिल गई हैं, हममें से कुछ कलाकार हैं और जीवन आपको बताता है कि आपको क्या करना चाहिए और कैसे करना चाहिए।

हाल ही में निमरत कौर को लिखा अमिताभ बच्चन का पुराना लेटर इंटरनेट पर वायरल हो गया। यह लेटर दसवीं में निमरत कौर की परफॉर्मेंस के बारे में था। यह अभिषेक और निमरत के कथित अफेयर की खबरों के बीच आया है।आई वांट टू टॉक के अलावा, अभिषेक शाहरुख खान और सुहाना खान-स्टारर %किंग% में दिखाई देंगे। वह अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 में भी नजर आएंगे।

## अनुष्का सेन ने समझाया फैशन का मतलब है अभिव्यक्ति

अभिनेत्री अनुष्का सेन के लिए फैशन के मायने स्टाइलिश कपड़ों से कहीं बढ़कर है। उनके हिसाब से यह खुद को व्यक्त करने का तरीका है।नव्या नंदा के एंटरप्रेनारी और अबू संदीप के गुलाबो द्वारा आयोजित फैशन शो में अनुष्का ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आईं। उन?होंने अपने लुक को फ्री-फ्लोइंग बोहेमियन श्रग से पूरा किया।अनुष्का ने कहा, मैं एंटरप्रेनारी बाय नव्या नंदा और गुलाबो बाय अबू संदीप शोकेस के लिए पहली बार रैंप पर चलने को लेकर उत्साहित थी और इनकी आभारी भी हूं। मेरे लिए फैशन कपड़ों से इतर है। यह अपने आप को व्यक्त करने का अच्छा तरीका है यानि ये बताने का कि हम कौन हैं।अभिनेत्री ने कहा कि वह सही अवसर और पल का इंतजार कर रही थीं।उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम एक सपने के सच होने जैसा था, खासकर इसलिए क्योंकि यह महिला उद्यमियों की मदद करने के लिए था। इसका एक और कारण भी था और वो था अबू जानी संदीप खोसला के लिए वॉक करना, जो मेरे पसंदीदा डिजाइनर्स हैं।अनुष्का ने अमिताभ बच्चन की पोती नव्या के साथ अपनी मुलाकात को एक शानदार अनुभव बताया।मैंने पूरे दिल से उस पल को अपनाया और उस अद्भुत अवसर के लिए मैं आभारी हूं। नव्या से मिलना मेरे लिए एक शानदार अवसर था।इस महीने की शुरुआत में अनुष्का ने सोशल मीडिया पर दुर्गा पूजा से एक शानदार फोटो शेयर की थी। वह साड़ी और बड़े झुमके में बहुत खूबसूरत लग रही थीं।उन्होंने साड़ी में अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका शीर्षक था, दुर्गा पूजा 2024।अनुष्का सेन एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री हैं, जिन्हें बाल कलाकार के तौर पर काफी लोकप्रियता मिली। उन्हें हाल ही में दक्षिण कोरियाई पर्यटन के लिए आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है।उन्होंने 2009 में भारतीय टेलीविजन पर यहाँ मैं घर घर खेली शो से अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने देवों के देव... महादेव में बाल पार्वती की भूमिका निभाई थी। 2012 में, उन्होंने टीवी शो बालवीर में मेहर के अपने किरदार से लोगों का दिल जीत लिया था। इसके अलावा, उन्होंने खूब लड़ी मर्दानी - झांसी की रानी थी में मणिकर्णिका का किरदार निभाया। अनुष्का वेब सीरीज दिल दोस्ती डिलेमा में भी नजर आ रही है। यह तीन दोस्तों की जिंदगी की कहानी है, जो प्राइम वीडियो पर भी स्ट्रीम हो रही है।उन्होंने हाल ही में क्रश नामक एक अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर काम किया, जिसमें उन्होंने ओलंपिक रजत पदक विजेता किम ये जी के साथ अभिनय किया है।

## नीलम कोठारी के ऊपर गिरे महेश ठाकुर तो गुस्सा हो गईं एक्ट्रेस

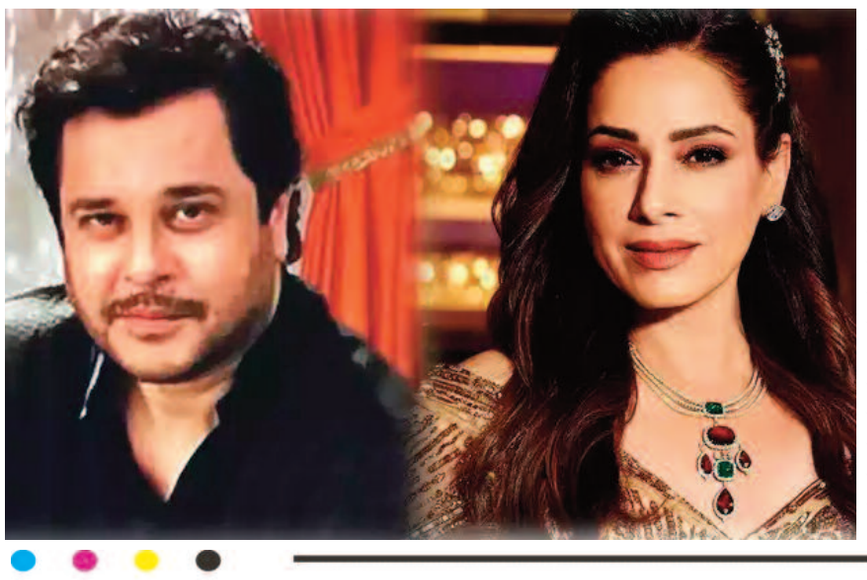

एक्टर महेश ठाकुर ने हाल ही एक इंटरव्यू में बताया है कि हम साथ साथ हैं के एक सीन शूट के दौरान नीलम कोठारी उनसे चिढ़ गई थीं। कुछ ऐसा हुआ था, जिसके कारण नीलम कोठारी, महेश ठाकुर से नाराज हो गई थीं। तब सलमान खान, सैफ अली खान और तब्बू ने जोक्स सुना-सुनाकर टेंशन खत्म की थी। फिल्म में महेश ठाकुर और नीलम कोठारी ने शादीशुदा कपल का रोल प्ले किया था।

एबीसीडी गाने का किस्सा, नीलम कोठारी के ऊपर गिरे तो हुई गुस्सा महेश ठाकुर ने बताया, हमने एबीसीडी गाने की शूटिंग शुरू की। इसलिए जब गाना शुरू हुआ तो मैं डांस स्टेप्स को लेकर बहुत सहज नहीं था। हमें अपने शरीर हिलाने पड़ रहे थे और बस भी सड़क टेढ़ी-मेढ़ी होने के कारण हिल रही थी, इसलिए मेरा कदम चूक गया और मैं नीलम जी के ऊपर गिर गया। वह थोड़ी चिढ़ गईं।

नीलम ने मुझसे कहा कि ये तुम क्या कर रही हो? उसके बाद सलमान, सैफ और तब्बू, उन सभी ने उनकी रैगिंग शुरू कर दी। उन्होंने कहा, अगर इन्हें आपसे प्यार होता, तो ये आप पर ऐसे नहीं गिरते। उनके जोक्स ने माहौल हल्का कर दिया। नीलम ने मेरे खिलाफ अपने मन में कुछ भी नहीं रखा।

# छत्तीसगढ़ में शराब को लेकर राजनीति

## अजय चंद्राकर ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल को दिया करारा जवाब...कहा...मर्दों जैसी राजनीति करें...

» शराब पर सियासत फिर गर्माई,अजय चंद्राकर ने भूपेश बघेल को दी चुनौती...

» अजय चंद्राकर ने कहा, अगर बघेल में नैतिकता है तो मेरा वीडियो शेयर करें...

» भूपेश बघेल ने शराब बिक्री को लेकर नए ऐप की योजना का मजाक उड़ाया...

**रायपुर,15 नवम्बर 2024 (ए)।** छत्तीसगढ़ राज्य में शराब पर सियासत एक बार फिर गरमा गई है। छत्तीसगढ़ में शराब मामले को लेकर सियासी घमासान तेज होता नजर आ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ ने हाल ही में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर से जुड़ा एक वीडियो अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसमें विधायक अजय चंद्राकर शराब के मुद्दे पर बयान देते नजर आए। इसके बाद अब विधायक अजय चंद्राकर ने पूर्व सीएम बघेल पर जमकर पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि अगर भूपेश बघेल में थोड़ी भी राजनीतिक नैतिकता है, तो मेरा पूरा वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट और कांग्रेस के पेज पर शेयर करें. उन्होंने आगे कहा- पूर्व सीएम चुनौती स्वीकार करें. मर्दों जैसी राजनीति करें। नहीं, तो जाकर फिर टेस्टोस्टेरोन-टेस्ट कराए। बता दें,आबकारी विभाग ने शराब प्रेमियों के लिए एक नया ऐप बनाया है। इसे लेकर गुरुवार को पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा था कि नकली माल से लोग बचेंगे और असली माल पियेंगे। वहीं शराब बंदी पर पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा था- शराब बंदी कभी बीजेपी का मुद्दा था ही नहीं, शराबंदी कांग्रेस का मुद्दा था। झूठ-मूठ का गंगाजल की कसम खाने वाली ऐसी राजनीति बीजेपी नहीं करती। वहीं अब पूर्व सीएम द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो को लेकर विधायक अजय चंद्राकर ने उन्हें पूरी वीडियो अपलोड करने की चुनौती देते हुए कहा कि इससे कांग्रेस की करतूत और उनका दृष्टिकोण जनता के सामने आ आएगी, कि शराब बंदी हमने कहा था, या उन्होंने कहा था. भाजपा विधायक ने पूर्व सीएम बघेल पर चुटकी लेते हुए कहा कि वह सोचते थे कि भूपेश बघेल मर्दों जैसी राजनीति करते हैं। एक साल के अंदर भूपेश बघेल इतने मुद्दा विहीन हो गए हैं कि उनको एडिट वीडियो के सहारे नेतागिरी चमकानी पड़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व सीएम चुनौती स्वीकार करें। मर्दों जैसी राजनीति करें. नहीं, तो जाकर फिर टेस्टोस्टेरोन-टेस्ट कराए।

### आबकारी विभाग का नया ऐपःशराब की बिक्री को लेकर बढ़ी सख्ती

इस बीच, राज्य आबकारी विभाग ने शराब के बिक्री और उपलब्धता पर निगरानी रखने के लिए एक नया एप लॉन्च किया है। चंद्राकर ने इस एप के बारे में कहा, यह एप उपभोक्ताओं को यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि वे नकली शराब से बचें और असली शराब खरीदें। उन्होंने आगे कहा कि शराबबंदी कभी भाजपा का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह कांग्रेस का ही मुद्दा था। चंद्राकर ने कहा भाजपा झूठी गंगाजल की कसम खाने वाली राजनीति नहीं करती।

### भूपेश बघेल का भाजपा पर तंजः डबल इंजन का मजाक उड़ाया

इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर लिखा, तो चलिए शुरू करते हैं डबल इंजन की स्कूल बंद स्काच योजना का पहला निर्णय। मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन ने मिलकर मनपसंद ऐप लॉन्च किया है। बघेल ने आगे बताया कि इस ऐप के जरिए लोग यह जान सकेंगे कि किस शराब की दुकान में, किस कीमत पर और कौन सा ब्रांड उपलब्ध है। राज्य में शराब को लेकर बढ़ी सियासत और बयानबाजी के बीच, दोनों पक्ष अपने-अपने दृष्टिकोण से इस मामले पर तर्क और प्रतिवाद करते नजर आ रहे हैं। वर्ष 2007 में दिल्ली की भारतीय विद्या भवन से पत्रकारिता में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा किया है। अध्ययन के बाद मैंने दिल्ली में अलग-अलग संस्थानों में दो वर्ष सेवा दी।

## प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

### पीएम मोदी हुए शामिल हुए जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में

**महासमुंद,15 नवम्बर 2024 (ए)।** स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आदिवासी जननायक भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर आज जिले में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार राज्य के जमुई से वर्चुअली जुड़कर संबोधित किया। उन्होंने बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका और उनकी प्रेरणादायक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान बिरसा आज भी हमारे समाज में एक आस्था के प्रतीक बने हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। साथ ही इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा 6,640 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया गया।

### खिलाड़ियों के कपल डांस मामले में हेड कोच बर्खास्त

बर्खास्त

**बिलासपुर,15 नवम्बर 2024 (ए)।** बिलासपुर में खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तीरंदाज खिलाड़ियों से कपल डांस कराने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में लड़कियों के साथ लड़के रफ्ता-रफ्ता आंख मेरी लड़ी है....गोरी तेरे नैनो में हम बस जाते...जैसे गानों पर थिरक रहे हैं। इस आयोजन के दौरान तीरंदाजी के हेड कोच निलेश गुप्ता भी मौजूद रहे। कपल डांस कराने के मामले में स्पोर्ट्स संचालक ने हेड कोच निलेश गुप्ता को बर्खास्त कर दिया है।

### एसपी से सेटिंग का धौंस दिखानेवाला कबाड़ी गिरफ्तार

**बिलासपुर,15 नवम्बर 2024 (ए)।** कबाड़ दुकान संचालक एसपी से सेटिंग होने का धौंस दिखाकर छोटे कबाड़ दुकानों से अवैध रूप से लोहे का सामान खरीद रहा था। गुरुवार को पुलिस ने दबिश देकर उसकी मेटाडोर को जब्त कर लिया। चोरी की आशंका पर 4 टन कबाड़ बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 93 हजार है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, सरकंडा पुलिस को पिछले काफी समय से सूचना मिल रही थी कि चांटीडीह निवासी संतोष रजक पिता इतवारी रजक अपनी दुकान में अवैध कबाड़ का सामान, बाइक के पार्ट्स और चोरी के लोहे के कबाड़ की बड़े पैमाने पर खरीदी करता है। पुलिस की पेट्रोलिंग टीम को वह एसपी तक पहुंच होने का धौंस भी दिखाता था। गुरुवार को पता चला कि वह कबाड़ को दूसरी जगह बिक्री करने के लिए मेटाडोर में लोडकर रहा है। खबर मिलते ही टीआई तोप सिंह अपनी टीम के साथ उसके गोदाम में पहुंच गई। जांच के दौरान मेटाडोर में लोड चार टन कबाड़ बरामद किया गया, जिसका बिल व रसीद नहीं पेश कर सका। लिहाजा, चोरी का कबाड़ होने के संदेह पर पुलिस उसे पकड़ कर थाने ले आई। आरोपी संतोष रजक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

## राज्य की नई औद्योगिक नीति को बनाया है हमने रोजगार परक

» इस नीति में निर्धारित है विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का लक्ष्य

» रोजगार प्रशिक्षण के लिए प्रति माह प्रतिव्यक्ति 15 हजार रूपए का मिलेगा अनुदान राज्य के युवाओं को उद्योगों में रोजगार देने के लिए प्रोत्साहन

» मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य के नई औद्योगिकी नीति 2024-30 को किया लांच

**रायपुर,15 नवम्बर 2024 (ए)।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर के मेफेयर रिसार्ट में छत्तीसगढ़ राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 को लांच किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने इस नई नीति को रोजगार परक और विजन-2047 के अनुरूप विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यदि कोई उद्योग एक हजार से अधिक युवाओं को रोजगार देता है तो हम उसे बी-स्पोक पॉलिसी के तहत और अधिक रियायतें देंगे। युवाओं को रोजगार मूलक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर हमने इस नीति में प्रति व्यक्ति 15 हजार रूपये प्रतिमाह तक का अनुदान देने का प्रावधान भी किया है। हमने पहली बार इस नीति के माध्यम से राज्य में पर्यटन एवं स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं में निवेश को भी प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। हमारा राज्य देश के मध्य में स्थित है, आने वाले वर्षों में हम अपनी भौगोलिक स्थिति, आवागमन के आधुनिक साधनों और आप सबकी भागीदारी से प्रदेश को देश का हेल्थ हब'' बनाने में सफल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगदलपुर के नजदीक हम लगभग 118 एकड़ भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण प्रारंभ करने जा रहे हैं। पूर्व के न्यूनतम 20 एकड़ भूमि'' के

स्थान पर अब हमने 15 एकड़ भूमि'' पर निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्क की स्थापना की अनुमति देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ संभवतः देश में पहला राज्य है, जिसने युवा अग्निवीरों एवं नक्सल पीड़ित परिवारों को स्वयं के रोजगार धन्धे स्थापित करने पर विशेष अनुदान एवं छूट का प्रावधान किया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं को स्वयं का रोजगार उपलब्ध कराने हेतु भी कटिबद्ध हैं। इसके लिए हम इन वर्गों के उद्यमियों को मात्र 1 रूपये प्रति एकड़ की दर पर औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि दे रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश होगी कि उद्योग स्थापना एवं संचालन में सरकारी हस्तक्षेप न्यूनतम हो एवं यथासंभव सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा ऑनलाइन माध्यम से हो ताकि आपके उद्योग हेतु आपको सरकार के पास आने की आवश्यकता ना हो। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अरूण साव, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा और मुख्य सचिव अमिताभ जैन, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन अमर परवानी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और उद्योगपति मौजूद रहे। नई औद्योगिक नीति के लांचिंग अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने नवीन औद्योगिक विकास नीति का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

### औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के विशेष प्रावधान :-

छत्तीसगढ़ की औद्यौगिक विकास नीति 2024-30 को राज्य में 01 नवबंर 2024 से लागू किया गया है। यह नीति उद्योगों को निवेश करने, नये रोजगार सृजन करने और आर्थिक विकास को गति देने के लिये एक मजबूत आधार प्रदान करेगी। इस नीति के माध्यम से राज्य के युवाओं के लिए कौशलयुक्त रोजगारों का सृजन करते हुये अगले 5 वर्षों में 5 लाख नए औपचारिक क्षेत्र के रोजगार का लक्ष्य रखा गया है। इस नीति मैं स्थानीय श्रमिकों को औपचारिक रोजगार में परिवर्तित करने के लिए प्रशिक्षण कर प्रोत्साहन का प्रावधान करते हुये 1000 से अधिक रोजगार प्रदाय करने वाली इकाईयों को प्रोत्साहन के अतिरिक्त विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान में सहभागिता के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला उद्यमियों, सेवानिवृत्त अग्निवीर, भूतपूर्व सैनिकों (जिनमें पैरा मिलेट्री फोर्स भी सम्मिलित है), नक्सल प्रभावित, आत्म-समर्पित नक्सलियों एवं तृतीय लिंग के उद्यमों का अतिरिक्त प्रोत्साहन दिये जाने का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की परिभाषा को भारत सरकार द्वारा परिभाषित एम.एस.एम.ई. के अनुरुप किया गया है।

## महिला सरपंच को हटाने पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख

### राज्य सरकार पर लगाया गया जुर्माना

**रायपुर,15 नवम्बर 2024 (ए)।** सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा एक सुदूरवर्ती गांव की निर्वाचित महिला सरपंच को 'अनुचित कारणों' से हटाने पर नाखुशी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि सरपंच ''बाबू (नौकरशाह) के सामने भीख का कटोरा लेकर जाए''। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने जशपुर जिले के एक गांव की महिला सरपंच सोनम लकड़ा को हुए मानसिक उत्पीड़न के लिए राज्य सरकार पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसका भुगतान चार सप्ताह में किया जाना है। बेंच ने कहा कि यह एक निर्वाचित सरपंच को हटाने में अधिकारियों की ओर से की गई मनमानी का मामला है, एक युवा महिला जिसने छत्तीसगढ़ के एक सुदूर क्षेत्र में अपने गांव की सेवा करने के बारे में सोचा था। बेंच ने कहा कि उसकी प्रतिबद्धताओं की प्रशंसा करने या उसके साथ सहयोग करने अथवा उसके गांव के विकास के लिए उसके प्रयासों में मदद करने के बजाय, उसके साथ बिल्कुल अनुचित व्यवहार किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्माण सामग्री की आपूर्ति और निर्माण कार्य पूरा होने में देरी के कारण उसे सरपंच के पद से हटाने के लिए कार्यवाही शुरू करने को 'बेकार का बहाना' करार दिया।

## सेक्स स्कैंडल केस में आरोपी बनाए गए टीआई अमित तिवारी की जमानत याचिका हाईकोर्ट से खारिज

**बिलासपुर/बलौदाबाजार,15 नवम्बर 2024 (ए)।** छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के चर्चित सेक्स स्कैंडल केस में आरोपी बनाए गए तत्कालीन टीआई अमित तिवारी की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। बता दें कि इस मामले अमित तिवारी के खिलाफ कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई। अमित तिवारी ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। लेकिन, हाईकोर्ट ने केस के सभी पहलुओं को देखते हुए टीआई अमित तिवारी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

### हाईकोर्ट ने भी जमानत याचिका ठुकराई

इसके बाद आरोपी ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई.लेकिन हाईकोर्ट ने भी जिला अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए टीआई अमित तिवारी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने ये माना कि इस मामले में आरोपी का जमानत पर बाहर रहना समाज के लिए अनुचित होगा। इससे न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप हो सकता है। जमानत देने से समाज में यह संदेश जाएगा कि ऐसे मामलों में प्रभावशाली लोग बच सकते हैं, जो कि न्याय व्यवस्था और समाज दोनों के लिए हानिकारक होगा। अब टीआई के ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

## मध्याह्न भोजन खाने से झिझक रहे बच्चे

### हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

**बिलासपुर,15 नवम्बर 2024 (ए)।** बिलासपुर के सेंट्रल किचन में स्कूली बच्चों को दी जाने वाली मध्याह्न भोजन घटिया क्वालिटी का है, जिसके चलते बच्चों ने मध्याह्न भोजन लेना बंद कर दिया है। ऐसे में स्कूल स्टाफ और रसोइया उस भोजन को जानवरों को परोस रहे हैं। मध्याह्न भोजन के वक्त बच्चों से ज्यादा मवेशियों की भीड़ रहती है। हाईकोर्ट ने इस मामले को जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है, जिस पर

राज्य शासन के साथ ही कलेक्टर से जवाब मांगा है। वहीं, जिला शिक्षा अधिकारी को शपथपत्र के साथ जवाब देने कहा है। केस की अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी। शहर के स्कूलों में मध्याह्न भोजन बनाने के लिए सेंट्रल किचन बनाया गया है, जिसके संचालन की जिम्मेदारी नगर निगम ने ठेके पर दे दी है। यहां से करीब 120 से अधिक सरकारी मिडिल और प्राइमरी स्कूलों के साथ ही निजी स्कूलों को मध्याह्न भोजन की सप्लाई की जाती है। पहले सेंट्रल किचन से बच्चों के लिए बेहतर भोजन की सप्लाई की जाती थी। शिक्षा विभाग के अफसरों ने जब से ध्यान देना बंद किया है, तब से भोजन का स्तर गिर गया है। घटिया क्वालिटी का भोजन खाने से बच्चे भी इनकार कर रहे हैं। इसलिए स्कूल के रसोइया मवेशियों को खिला रहे हैं।

## सफल उम्मीदवारों हेतु 18 नवंबर से शुरू होंगे साक्षात्कार

### ये 17 दस्तावेज हैं अनिवार्य

**रायपुर,15 नवम्बर 2024 (ए)।** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2023 के मेन्स में सफल 703 उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया है। यह साक्षात्कार 18 से 28 नवंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। राज्य सेवा संवर्ग के 242 पदों की भर्ती प्रक्रिया के इस अंतिम चरण में उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। इंटरव्यू के दौरान उम्मीदवारों को 17 दस्तावेजों की पूरी फाइल साथ लानी होगी, जिनकी सत्यापन प्रक्रिया की जाएगी।

### समय और पदों की संख्या

**पदों की संख्याः**-राज्य सेवा संवर्ग के 17 विभागों में 242 पद।

**साक्षात्कार तिथिः**- 18 से 28 नवंबर 2023।

**समयःपहली पालीः**- सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे,

**दूसरी पालीः- दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे।**

### आवश्यक दस्तावेज

इंटरव्यू में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को अपने साथ 17 दस्तावेज ले जाने होंगे, जिनकी जांच आयोग द्वारा की जाएगी। सभी उम्मीदवारों को आयोग की निर्देशित समयावधि में आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करना होगा। इस महत्वपूर्ण चरण के बाद, 242 पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। साक्षात्कार में चयनित उम्मीदवार ही अंतिम मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर सकेंगे।

## गरियाबंदवासी रह रहे हैं तेंदुआ के डर के साये में

### बस्ती में मंडरा रहा तेंदुआ, कुत्तों को निवाला बना रहा, दहशत में लोग

**गरियाबंद,15 नवम्बर 2024 (ए)।** गरियाबंद में एक बार फिर तेंदुआ नजर आया है। तेंदुआ प्रमुख रूप से पैरी कॉलोनी, जेल वार्ड, जिला अस्पताल, पानी ठंकी और आसपास के मोहल्लों में देखा गया है। पिछले कुछ दिनों से यह तेंदुआ लगातार गरियाबंद के कुत्तों का शिकार कर रहा है, जिससे स्थानीय निवासी अनहोनी के भय से सहमे हुए हैं।जानकारी के अनुसार, तेंदुआ महाविद्यालय और खेल मैदान के पास स्थित टिकरे पर भी देखा गया है। बस्ती के पास तेंदुआ देखे जाने से लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं और पालतू जानवरों को बाहर भेजने से भी बच रहे हैं। वन विभाग ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए अपनी सतर्कता बढ़ा दी है। विभाग ने कर्मचारियों की ड्यूटी बढ़ाई है और मुनादी कर क्षेत्रवासियों को तेंदुआ के बारे में सचेत किया जा रहा है। वन विभाग का अनुमान है कि यह मादा गर्भवती तेंदुआ हो सकती है और प्रसव के बाद वह इस क्षेत्र से बाहर निकल जाएगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)